जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 343 प्रभात जालोर, शनिवार 22 मार्च, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सोनिया गांधी ने प्रणब बाबू की पहली राय मानी, अब राहुल दूसरी राय पर चलना चाहते हैं

2004 में प्रणब बाबू को जिम्मेवारी सौंपी गई थी, कांग्रेस के सामने वे विकल्प प्रस्तुत करने की, जो कांग्रेस अपनी भविष्य की रणनीति के रूप में अपनाये

- पहला विकल्प, जो शॉर्टकट भी था, में सुझाया गया था कि कांग्रेस गठबंधन करे, अन्य पार्टियों के साथ और सत्ता में आये।
- दूसरा विकल्प, जो सुझाया गया था, के अनुसार, कांग्रेस स्वयं संघर्ष करे, अकेले पार्टी के संगठन को जमीन से खड़ा करे और फिर अपने दम पर सत्ता में आये।
- सोनिया गांधी ने पहला विकल्प चुना था, 2004 में पार्टी ने सरकार बनाई तथा यूपीए का जन्म हुआ था।
- अब 2025 में राहुल दूसरे विकल्प को अपनाना चाहते हैं।
- नई नीति के तहत, दिल्ली में कांग्रेस ने गठबंधन नहीं किया और अकेले ही चुनाव लड़ा और अब बंगाल में भी कांग्रेस ने अकेले ही चुनाव लड़ने का मन बनाया है, ममता बनर्जी का आंचल छोड़कर। इसी प्रकार लालू यादव के नज़दीक माने जाने वाले प्रदेशाध्यक्ष, अखिलेश सिंह को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटा दिया गया है तथा कन्हैया को नेता के रूप में प्रोजैक्ट किया जा रहा है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। सन् 2004 में जब कांग्रेस सत्ता में आई उसके पहले प्रणब मुखर्जी ने कई पेपर लिखे थे जिनमें उन्होंने कांग्रेस के लिए दो विकल्प बनाए थे।

एक ''शॉर्ट कट'' विकल्प यह था, कि पार्टी गठबंधन करके सत्ता में आए। दूसरा दीर्घकालीन विकल्प था कि कांग्रेस अकेले लड़े, अपने संगठन और जनता के बीच अपने आधार का पुनर्निर्माण करे और फिर सत्ता में आए।

सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने शॉर्ट कट को चुना और कई गठबंधनों के साथ 2004 में कांग्रेस पार्टी ने केन्द्र में सरकार का नेतृत्व किया और इस तरह यू.पी.ए. का जन्म हुआ।

अब, सन् 2025 में उनके पुत्र राहुल गाँधी ने घड़ी को पीछे घुमाने का निर्णय लिया है। वो चाहते हैं कि ऐसी परिस्थितियाँ पैदा की जाएं कि पार्टी अपने पैरों पर खड़ी हो सके।

इन्दिरा गाँधी के समय से पहले जाते हुए उन्होंने घोषणा की है कि जिला अध्यक्षों को सशक्त बनाया जाएगा, उनकी आवाज़ सुनी जाएगी और संसद तथा विधानसभा चुनाव कौन लड़ेगा, इस निर्णय में भी उनकी भूमिका होगी।

इस महीने के अंत में पार्टी के जिलाध्यक्षों की मीटिंग बुलाई गई है।

उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्षों की एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती परीक्षा 2021, एक और ट्रेनी एसआई गिरफ्तार

जयपुर, 21 मार्च। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए एक और ट्रेनी एसआई को करौली से गिरफ्तार किया है। एसओजी की टीम ट्रेनी एसआई रामखिलाडी मीणा से पूछताछ कर रही हैं।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा ने बताया कि एसओजी ने उप-निरीक्षक संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 के सम्बन्ध में दर्ज मामले में रामखिलाडी मीणा पुत्र तेजराम मीणा निवासी गांव ओलवाडा सवाई माधोपुर हाल प्रशिक्षु एसआई रिजर्व पुलिस लाइन करौली को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है।

- एसओजी ने सवाई माधोपुर के राम खिलाड़ी मीणा को कटौली रिज़र्व पुलिस लाइन से गिरफ्तार किया। आरोप है कि उसकी जगह ''डमी'' अभ्यर्थी ने परीक्षा दी थी।

रामखिलाडी मीणा ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की लिखित परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आर.एस.एस., दक्षिण भारत के राज्यों के पक्ष में खड़ा हुआ

संघ के महासचिव सी.आर. मुकुन्द ने बैंगलोर में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए, मातृभाषा व कैरियर भाषा का जिक्र किया

- उन्होंने, मातृभाषा के उपयोग का समर्थन किया और यह भी कहा कि कैरियर भाषा इंगलिश या कोई और भाषा भी हो सकती है।
- संघ के महासचिव ने यह भी कहा कि डीलिमिटेशन में साउथ के प्रांतों का अनुपात बरकरार रखना चाहिये।
- पर, भाषा व डीलिमिटेशन के मुद्दे पर, देश की अखंडता को चुनौती देना, राजनीति से प्रेरित है। देश के लिये अच्छा नहीं है कि नागरिक ऐसे मुद्दों पर लड़ें।
- यह पहली बार नहीं है कि संघ ने साउथ के राज्यों को समर्थन दिया है। जुलाई में संघ के मुख पत्र, ऑर्गनाइज़र ने संपादकीय में कहा था कि ''क्षेत्रीय असंतुलन भी एक मुद्दा है, जो ''डीलिटिमेशन'' को प्रभावित करेगा। 2018 में अखिल भारतीय भाषाओं को संरक्षण व प्रोत्साहित करने की जरूरत है तथा प्राइमरी शिक्षा केवल मातृभाषा में होनी चाहिए।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार और डी.एम.के. (द्रमुक) के शासन वाले तमिलनाडु राज्य के बीच ''डीलिमिटेशन'' और तीन भाषा फॉर्मूला को लेकर चल रहे विवाद के बीच आर.एस.एस. ने कहा है कि ''डीलिमिटेशन'' कवायद के बाद यदि संसद में सीटों की संख्या बढ़ती है तो दक्षिणी राज्यों का शेयर बरकरार रहना चाहिए। संयोगवश, यह वही चीज है, जो द्रमुक ने इस महीने के शुरु में उठाई थी।

इस समय बैंगलुरु में चल रही अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की मीटिंग से इतर, एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुये, आर.एस.एस. के संयुक्त महासचिव सी.आर. मुकुन्द ने लोगों द्वारा मातृभाषा के उपयोग की वकालत की। उन्होंने कहा कि कैरियर-भाषा के रूप में अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा उपयोग में ली जा सकती है। लेकिन आर.एस.एस. नेता ने ''परिसीमन या भाषाओं के मुद्दे पर, उत्तर-दक्षिण के विभाजन का मुद्दा उठाकर, राष्ट्रीय एकता को चुनौती देने की कोशिशों'' का विरोध किया। उन्होंने कहा, ''रूपये के प्रतीक को स्थानीय भाषा में रखे जाने की माँग, जैसे मुद्दे राजनीति-प्रेरित हैं। ऐसी चीजों पर सामाजिक नेताओं और ग्रुपों का विचार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारे खिलाफ ''हनी ट्रैप'' का भारी जाल बिछाया गया है'

- कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों ने अजीबोगरीब शिकायत की। और, सरकार ने इस आरोप पर गंभीरता से व गहराई से जांच कराने के आदेश दिये।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। कर्नाटक में विभिन्न राजनैतिक दलों के कम से कम 48 राजनेता ''हनी ट्रैपिंग'' प्रयासों के शिकार बन चुके हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसकी गहन जाँच सरकार को करनी चाहिए तथा अपराधियों को सजा देनी चाहिये। अगर राज्य के सहकारिता मंत्री रंजन के शब्दों का विश्वास किया जाये तो हनी ट्रैपिंग साफ तौर पर एक राजनैतिक हथियार का रूप ले चुका है।

उन्होंने यह आरोप कर्नाटक विधानसभा में गुरुवार को लगाया तथा राज्य के गृह मंत्री से अनुरोध किया कि इस प्रकार की घटनाओं की तह तक पहुँचने के लिए विस्तृत जाँच के आदेश दिये जायें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी हनी ट्रैप की कोशिश के शिकार हैं।

और जब एक और मंत्री, पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली, ने गुरुवार को हनी ट्रैप की घटनाओं को उजागर किया, तो इस मुद्दे से सदन हिल गया तथा भारी राजनैतिक हंगामा खड़ा हो गया तथा विपक्षी भाजपा ने इसकी न्यायिक जाँच की मांग की।

इस मुद्दे ने शुक्रवार तक विधानसभा में पूरी तरह तथा बड़े रूप में राजनैतिक विवाद का रूप ले लिया। भाजपा ने न्यायिक जाँच कराने तथा विधानसभा में कोई भी काम न होने देने की माँग की। हंगामे और उद्दण्ड व्यवहार के लिए 18 विधायक निलम्बित कर दिये गये। दरअसल, उन्होंने नारेबाजी की, विधानसभा अध्यक्ष यूडी खेदर तथा मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया पर कागज़ात और किताबें फैंकी तथा वैल में आ गए।

जब विधायकों ने, सदन की गरिमा बनाये रखने की स्पीकर की अपील पर कोई ध्यान नहीं दिया तथा सदन की कार्यवाही में विघ्न डालते रहे, तो स्पीकर ने विरोध-प्रदर्शन कर रहे विधायकों में से 18 विधायकों को छः महीने के लिये निलम्बित कर दिया। अब, इस निलम्बन को लेकर विधानसभा के बाहर तीव्र बहस शुरु हो गई है।

जैसी कि अपेक्षा थी, कांग्रेस ने स्पीकर की कार्यवाही को उचित ठहराया है, जबकि भाजपा ने इसे अनुचित बताया है। भाजपा विधायकों की एक टीम ने कहा कि वे राज्यपाल के पास जायेंगे तथा स्पीकर के मनमाने तथा एवं निरंकुश निर्णय की शिकायत करेंगे।

कुल मिलाकर निष्कर्ष की बात यह है कि ''हनी-ट्रैपिंग'' के राजनैतिक हथियार के रूप में उपयोग किए जाने से सदन बहुत उत्तेजित हो गया है तथा यह बहस विधानसभा से बाहर आम जनता के बीच पहुँच गई है तथा आम चर्चा का विषय बन गई है।

रोचक बात यह है कि भाजपा के शीर्ष नेता यह कह रहे हैं कि एक अति महत्वाकांक्षी कांग्रेस नेता, जो राज्य के मुख्यमंत्री बनना चाहते थे, हनी ट्रैप की घटनाओं की जड़ में हैं, तथा उन्होंने इस पूरे मामले की न्यायिक जाँच की माँग की, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

जहाँ गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सहकारिता मंत्री द्वारा की गई शिकायत की उच्च स्तरीय जाँच के आदेश दे दिये हैं, वहीं, मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने कहा है कि दोषी पाये गये किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जायेगा।

इसे संयोग ही कहा जायेगा कि भाजपा विधायक, सुनील कुमार, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेटे के हत्यारे माता-पिता व तीन भाईयों को आजीवन कारावास

जयपुर, 21 मार्च। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-6 महानगर, द्वितीय ने संपत्ति विवाद में हुए झगडे में बेटे की हत्या करने वाले पिता नवाब खां, मां जैतुन उर्फ अलमदी सहित मृतक के तीन भाइयों अमजद, सद्दाम और असफाक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी बालकृष्ण कटारा ने अभियुक्तों पर कुल 2.81 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया

- 19 अक्टूबर 2022 के इस मामले में नवाब खां व उसकी पत्नी जैतून ने अपने तीन अन्य बेटों, अमजद, सद्दाम और असफाक के साथ मिलकर अपने ही एक और बेटे समीर को पीट-पीट कर मार डाला था, अदालत ने आरोपियों पर 2.81 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वर्तमान परिस्थितियों में ''मैरिट'' को चयन का आधार बनाना ही बेमायने है'

राहुल गांधी ने ''कास्ट सैंसस'' (जातिगत जनगणना) के पक्ष में नया तर्क दिया

- यूजीसी के पूर्व चेयरमैन सुखदेव थोराट से बातचीत करते हुए राहुल ने कहा, दलित, आदिवासी, ओबीसी का इतिहास नहीं पढ़ाया जाता, शिक्षा की मुख्यधारा में, ''सोशल पोज़ीशन'' को क्षमता के रूप में आंका जाता है।
- दलित, ओबीसी व आदिवासी, अन्य ''कम्युनिटीज़'' से ''कल्चरली'' जुड़ ही नहीं पाते। अतः ''मैरिट'' का पूरा सोच एक सवर्ण (अपर कास्ट) की कहानी है।
- इसलिये केवल चुनाव जीता हुआ जनप्रतिनिधि कोई मायने नहीं रखता, जब तक, ब्यूरोक्रेसी, कॉरपोरेट वर्ल्ड, इन्टैलिज़ैंस एजेन्सियों में, जो कि वाकई में पावर को कंट्रोल करती हैं, ओबीसी, दलित व आदिवासी जनता का कंट्रोल नहीं होगा, तब तक ये बराबरी का स्थान नहीं पा सकतीं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की आवश्यकता के विषय में इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) तथा यूनिवर्सिटी ग्रान्ट कमीशन (यूजीसी) के पूर्व चेयरमैन सुखदेव थोराट के साथ चर्चा की।

गांधी ने कहा कि देश में गुणवत्ता की अवधारणा ''पूरी तरह से दोषपूर्ण'' है, क्योंकि पिछड़े समुदाय इससे जुड़े हुये नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''एक और बड़ी समस्या यह है कि दलितों का इतिहास, अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) का इतिहास, आदिवासियों का इतिहास विलुप्त कर दिया गया है। मैंने कोई दलित आख्यान कभी नहीं सुना, और इसके साथ ही, आरएसएस तथा भाजपा जिस विचार को आगे बढ़ा रही हैं, वो मूलरुप से उनके इतिहास, दलितों, आदिवासियों तथा ओबीसी के इतिहास को नष्ट करने के लिए है।'' वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यह भी कहा कि पिछड़े समुदायों का इतिहास मुख्य शिक्षा -व्यवस्था के माध्यम से जानबूझ कर उपलब्ध नहीं कराया गया है।

उन्होंने कहा, ''वह इतिहास मुख्य शिक्षा तंत्र के जरिये उपलब्ध नहीं है। नई दिल्ली में स्कूल जाने वाले ऊँची जाति के किसी बालक या बालिका को उसकी कोई जानकारी ही नहीं है। तभी तो वे ऐसी बातें कह देते हैं कि ''मुझे तो कोई जातिगत भेदभाव दिखाई नहीं देता। जाहिर है, आप जातिगत भेदभाव देखते ही नहीं हैं।'' कांग्रेस नेता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह देश के पिछड़े समुदायों के साथ ''ट्रिक'' से काम ले रही है। उन्हें अपने समुदायों, जिनके पास असली सत्ता है ही नहीं, का प्रतिनिधित्व करने के अवसर दिये जाते हैं, असली सत्ता तो संस्थागत ढ़ाँचे में निहित है।

राहुल गांधी ने कहा, ''देखिये, वे (भाजपा) क्या कर रहे हैं, उन्हें महसूस हो गया है कि उन्हें नीची जातियों को रास्ता देना जरुरी है। इसलिये उन्होंने नीची जतियों को प्रतिनिधित्व करने वाली राजनीति का रास्ता दे दिया है, और कह दिया है कि जो भी विधायक या सांसद बनना चाहता है, बन सकता है। अर्थात, हम उन्हें बनायेंगे, भाजपा उन्हें बनायेगी। और फिर उन्होंने क्या किया कि प्रतिनिधित्व -व्यवस्था के अधिकार छीन लिए , अब ताकत या सत्ता कहाँ है? अब ताकत या सत्ता रिप्रज़ेन्टेटिव फ्रेमवर्क के बजाय, इन्स्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क में समाहित कर दी गई है। ताकत अफसरशाही के पास है, ताकत कॉर्पोरेट इंडिया के पास है, ताकत गुप्तचर एजेंसियों के पास है। वे इस ''ट्रिक'' से काम ले रहे हैं कि भैया, हम आपको रिप्रज़ेन्टेशन देंगे। और रिप्रज़ेन्टेशन का मतलब कुछ नहीं। मुझे तो यही चलता दिखाई दे रहा है।'' गांधी ने कहा कि भारत में भेदभाव की सच्चाई हर व्यक्ति को ज्ञात होनी चाहिये।

महाराष्ट्र सरकार आगरा में शिवाजी का स्मारक बनाएगी

मुंबई, 21 मार्च। छावा फिल्म के बाद औरंगजेब को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। नागपुर में हिंसा के बाद यह मामला अब देश भर में चर्चा के केंद्र में है। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है कि वह उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का भव्य स्मारक बनाएगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ये इच्छा जाहिर कर चुके थे, जिसपर

- महाराष्ट्र सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है कि आगरा में, जहाँ शिवाजी महाराज को बंदी बनाया गया था, वहाँ उनका भव्य स्मारक बनाया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा शासनादेश (जीआर) जारी किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प ने अमेरिका का शिक्षा विभाग (एजुकेशन डिपार्टमेंट) बंद करने के आदेश पर हस्ताक्षर किये

क्या अमेरिका विश्व में उच्चशिक्षा का सर्वोत्तम विकल्प होने का ओहदा खो देने की तैयारी में है

- शिक्षा विभाग बंद हो जाने से उच्च शिक्षा के लिये मिलने वाली छात्र वृत्तियां बंद हो सकती हैं, तथा राजनीतिक अस्थिरता भी एक मुद्दा बन जायेगा, विदेश से अमेरिका पढ़ने आने वाले विद्यार्थियों के लिये।
- कैनडा, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैण्ड व जर्मनी, जहां पढ़ाई अब उतनी मंहगी नहीं लगेगी, क्योंकि बिना स्कॉलरशिप के अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करना आर्थिक दृष्टि से बहुत कठिन काम हो जायेगा।
- शिक्षाविदों के अनुसार, अमेरिकी युनिवर्सिटीज़ के कैम्पस भी अब राजनीति की दृष्टि से अस्थिर होंगे। क्योंकि, छात्र वृत्ति आदि के मुद्दों पर, असमानता पनपेगी, तथा कैम्पस अशान्त हो जायेंगे और सीरियस विदेशी विद्यार्थी उन विश्वविद्यालयों की ओर आकर्षित होंगे जहां निर्विघ्न तरीके से, बिना भारी खर्चे के पढ़ाई हो सकेगी।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका के शिक्षा विभाग को खत्म करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह कदम अमेरिका शैक्षणिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल देगा। यह विवादास्पद निर्णय, जो लम्बे समय से प्रिय कंजरवेटिव लक्ष्य को पूरा करता है, ने स्कूलों में फैडरल निगरानी के भविष्य पर बहस छेड़ दी है। जहां ट्रंप का कहना है कि यह विभाग बेकार है और सैद्धांतिक रुप से इसमें काफी समझौते किए गए हैं पर इसे पूरी तरह से खत्म करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी की जरुरत होगी, इस वजह से यह कर पाना मुश्किल होगा।

प्रशासन पहले ही यहां छंटनी शुरु कर दी है और कई ऑफिसो से अधिकारियों को हटा कर उन्हें बंद कर दिया है। अरबों डॉलर्स की फैडरल एजुकेशन फंडिंग और स्टूडैंट्स लोन अधर में लटक गए हैं। आलोचकों ने चेतावनी दी है कि यह इस भारी बदलाव से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थी पिछड़ जाएंगे। विभिन्न संगठनों, जिनमें नैशनल पेटेंट्स यूनियन भी शामिल है, ने इसका विरोध करने की बात कही है। उनका कहना है कि शिक्षा विभाग को भंग करने से शिक्षा सुधार नहीं होगा बल्कि इससे लाखों विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ेगा।

रिपब्लिकन पार्टी के भी इसे लेकर संदेह पैदा हो गया है। कांग्रेस कुछ सदस्य इस फैसले की व्यवहार्यता राजनैतिक परिणामों पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन ट्रंप अपने निर्णय पर अड़िग हैं वे शिक्षा विभाग को कट्टर पंथियों और नौकरशाही की दखलंदाजी का गढ बता रहे हैं। युद्ध की रेखाएं खींची जा चुकी हैं और अमेरिकन शिक्षा का भविष्य खतरे में आ गया है। ट्रंप का स्कूलों पर सरकारी नियंत्रण निर्णय लागू होगा या फिर इसे कांग्रेस, शिक्षाविदों और अभिभावकों का विरोध सहना होगा। पर एक बात तो तय है कि यह लड़ाई लम्बी चलने वाली है।

अमेरिका की सीमाओं के पार भी फैडरल फंडिंग, शिक्षा ऋण पर अनिश्चितता कायम है और सिविलराइट्स संरक्षण की समस्याओं के कारण अन्य देशों के छात्र अमेरिका में पढ़ने के अपने फैसले पर पुनर्विचार कर रहे है। अमेरिकन युनिवर्सिटीज़ में भारी उथल-पुथल की संभावना है, इसलिए विद्यार्थियों में अन्य विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। कैनडा जैसे देश अपनी स्थिर नीतियों व उच्चस्तरीय शिक्षा व्यवस्था के कारण छात्रों को आकर्षित कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले से ही दुनियाभर के छात्रों में लोकप्रिय है और अब तो उसकी लोकप्रियता और बढ़ गई है। यू.के. जहां विश्व की प्रतिष्ठित युनिवर्सिटीज़ हैं वहां भी नए विद्यार्थियों के आने की संभावना काफी ज्यादा हैं। जर्मनी अपनी कम फीस और बढ़ती प्रतिष्ठा के कारण लोकप्रिय हो रहा है।

इससे स्पष्ट है कि इन परिवर्तनों से उच्चशिक्षा के क्षेत्र में अमेरिका का प्रभुत्व कम हो रहा है। अगर शिक्षा विभाग खत्म हो जाता है और संघीय निगरानी में कमी आती है तो शैक्षणिक क्षेत्र में अमेरिका का नेतृत्व घट सकता है जिससे अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभाए अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सौरभ भारद्वाज दिल्ली में आप के अध्यक्ष नियुक्त

नयी दिल्ली, 21 मार्च। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) के नए प्रभारी और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन सह प्रभारी बनाए गए हैं।

शुक्रवार को 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर हुई पार्टी की

- आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और पूर्व उद्योग मंत्री सत्येन्द्र जैन को पंजाब में आप का प्रभारी नियुक्त किया है।

पीएसी बैठक में सिसोदिया को पंजाब प्रभारी बनाने का निर्णय हुआ। नए फेरबदल के तहत 'आप' ने सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संसार के दुःखियों में पहला दुःखी निर्धन है। उससे दुःखी वह है जिसे किसी का ऋण चुकाना हो। इन दोनों से अधिक दुःखी वह है, जो सदा रोगी रहता हो और सबसे दुःखी वह है, जिसकी पत्नी दुष्टा हो। –विदुरनीति

प्लेसमैंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार को लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो–चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब–करीब चार गुणा बढ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थानों में कहीं–कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर–बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें शोचनीय हो जाती है।

जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही स्थिति इंजीनियरिंग कॉलेजों की होती जा रही है। गली–गली में फार्मेसी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

ज़िंदगी की खोज

मन का दीया लेकर ज़िंदगी ढूँढता हूँ। जिस मोड़ पर हूँ, जिस पथ या पगडंडी पर हूँ, उजली किरण–सी क्षणभर को मिल जाए ज़िंदगी, यह चाह रहती। इतनी अधिक भी उजली नहीं कि वह धूप और आतप–सी लगने लगे, इतनी कम भी नहीं कि तिमिर के साम्राज्य में समा जाए। मिलती है कई बार वह, क्योंकि मेरे पग उसी को लक्षित होते हैं, मेरा मन उसी का आकांक्षी रहता है।

ज़िंदगी वहाँ है जहाँ भोर की बेला में भ्रमण के समय झाड़ पर चिड़ियों की चहचहाहट सुनाई दे। राधा–राधा के मेरे उचार में खलल पड़े, इसकी इजाज़त मैं सिर्फ़ पेड़–परिंदों को दे सकता हूँ। किसी व्यक्ति को यह अधिकार नहीं। हाँ, कोई अपनी सुविधा के लिए अवांछित अवरोध उत्पन्न कर दे, यह अलग बात है। अब धीरे–धीरे स्वभाव में समा रहा है कि किसी अन्य के प्रपंच को बाहर से विदा कर दूँ, मन में घर न करने दूँ। तो ज़िंदगी की खोज पूरे समय चलती, सतत–अनवरत–निर्बाध। वो जो एक पुष्प रोज़ तोड़ लेता था प्रात:भ्रमण के समय, ताकि अर्चन अर्पण से सूरज भगवान को प्रसन्न कर सकूँ, खटका था मुझे यह कृत्य। अब यह न करता, पुष्प डाल पर मुस्कुराता, मेरे प्राण और रसवन्त हो उठते, मेरी आत्मा और उज्ज्वलता धारण कर लेती। हवा के साथ हिलती सुवासित पुष्प युक्त डाल तो प्रकृति का नृत्य है, कितनी भंगिमाओं के भंग का दायी बना मैं तब तक, अपने कृत्य से ! ताप अब तक विद्यमान उसका अंतस् में, पश्चाताप प्रत्येक पाप का हल न होता। जैसे एक शाप को ढोया मैंने।

अवकाश की सुबह उद्यान मेरी दिनचर्या में शामिल। यह भी ज़िंदगी की तलाश का प्रकल्प ही। पंचवटी, खेजड़ी, बोरड़ी, अमलतास सबसे प्रेमयुक्त संबंध। नीम के गले लगने की क्रिया अब गले उतरने लगी है , मैं पेड़ के स्वभाव को पाता हूँ इससे। उससे बात होती। कान ही नहीं, माथा और हृदय भी हथेली पर रखकर उसके साथ रख लेता । उसकी साधुता पाऊँ, न पाऊँ पर कुछ तरलता उसकी मिल जाएगी, मेरी प्रकृति को किंचित सजीवत बनाएगी ही। अनगिनत उपेक्षित कोनों में गया, अनुराग को जीया। पुराना कूप, ठूँठ हुआ वृक्ष, काँटों वाली बोरड़ी, बुजुर्ग गार्ड साहब, सफाईकर्मी माता जी, सबके पास गया। उन्हें कुछ देने नहीं। लेने, कुछ ज़िन्दगी की रोशनी मिले, तो अपने पथ को कुछ और आलोकित कर सकूँ। उपेक्षित से अनुराग अब उद्यान तक सीमित न रहा, वह सब जगह काम आता। स्वभाव का एक अंग बन गया, मानो सम्पूर्ण संसार मेरे संग हो लिया।

पेड़ की हरी उजली पत्तियों में मेरा आकर्षण है । पर सूख कर पगडंडी पर बिछ गईं पत्तियों तो मेरे असीम आकर्षण की कारक हैं । पग धरो और मर्मर–सा संगीत बजे । उस उत्सर्ग का क्या बखान किया जाए । न्यौछावर हूँ मैं मृत सूखे पत्तों के जीवंत संगीत पर। पर उस संगीत को आह में नहीं बदलना चाहता मैं, इसलिए अत्यंत हौले से पग धरता उस पगडंडी पर। कुचलने की बात दूर, ऐसे शब्दों की प्रयुक्ति से भी दूर रहना भाता है? घर ले आया था, कई दिन तक मेरे साथ रहा था वह ?

अच्छा, मुझे पत्तियों का सर्वांग इतना भी नहीं सुहाता। मैं तो घने जंगल के बीच में खड़े पेड़ की अंतिम पत्ती का परस चाहता हूँ, उसका रस चाहता हूँ। नदियाँ ठीक हैं कलकल करतीं, पर उन गरों की चाह मेरी, जहाँ से ये विदा होती होंगी। विराट धोरों पर पग मांडता हूँ, आख़िरी रजकण की इच्छा भी तो जानना चाहता हूँ। कभी लिखा था ना, धोरे पुराकाल के प्रेमी हैं, जो मिल नहीं पाए; रजरूप धारण कर धोरे बन गए ; हवा आती है तो रजकण उड़कर मिलते हैं एक दूजे से, प्रेमियों की तरह ! आस ऐसे भी तो पूर्ण होती है कभी और मैं उनकी आस में सुवास भर देना चाहता हूँ। रजकणों पर, धोरों पर कोई घन बरसता, तब उठने वाली सौंधी महक उस प्रेम के प्रसंगों की याद दिलाती।

बच्चे मिले तो उनकी काया में प्रवेश कर बचपन जीने लगता हूँ, बुजुर्ग से मिलकर अनुभव की आँच को साँस में भरता हूँ। कोई खिलौना, गुंद की गोली या मित्र के खेत पर खाट पर बैठ भोजन, हज़ार तरह से ज़िंदगी लौटती है। जो करना चाहे उसे हासिल तो दुर्लभ भी नहीं। सवेरे उठूँ और इठलाते वृक्ष की बांकी डाल पर पंछी को गाते पाऊँ, चाह की यह राह पूर्ण होगी कभी तो !

तो, मैं ज़िंदगी ऐसे ही ढूँढता हूँ। पर यह प्रकृति विचरण तो नियतकालिक, अन्यथा तो राजकाज है, सरकारी सेवा है। उसमें भी ज़िंदगी की खोज अनवरत रहती। काम हो समय पर, गुणवत्ता रहे काम में, तमाम व्यस्तता के बाद भी मुस्कान कम न हो। जो मिले, काम के साथ स्वभाव, व्यवहार और मुस्कान याद रखें। जीवन तो एक वर्तुल है, बार–बार मिलना होता परस्पर। तो कभी मिलना हो तो प्रेम के कलश रीते न मिलें। दृष्टि और दृष्टिकोण में किसी के प्रति कोई बैर न पले, अनचाहे लोग भी द्वेष की पात्रता में न ढलें। मौन, अनुशासन, एकांत और मुस्कान मेरे साथी हैं, वे मेरी इन इच्छाओं को पूर्ण करने में सहायता करते हैं। समय के साथ यह जाना कि असल ज़िंदगी अंदर है। बाहर तो प्रपंच है, प्रमाद है, प्रलाप है। जीवन नैमत है, यह अभिशाप न बने। किसी विखंडन के दायी न बनें हम, सृजन कर सकें या नहीं, कोई बात नहीं। सहज उन्मुक्त है प्रकृति, अनुशासन के साथ। इसमें अवरोध की कोशिश जीवन को विकृत करेगी, कर रही है। संगीत बने ज़िंदगी, नृत्य बने, सुंदर सी कविता या गीत बने, मोहक चित्र बने....बस यह साध बनी रहे।

–दशरथ कुमार सोलंकी,
निदेशक वित्त, जोधपुर
विकास प्राधिकरण, जोधपुर

भीलवाड़ा शहर में शीतला सप्तमी पर मुर्दे की सवारी (ईलाजी की डोल) निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। शीतला सप्तमी पर मेवाड़ में होली खेलने की परम्परा रही है। भीलवाड़ा शहर सहित जिलेभर के कई इलाकों में शुक्रवार को बड़ी धूमधाम के साथ शीतला सप्तमी का पर्व मनाया गया। वहीं भीलवाड़ा शहर की परंपराओं के अनुसार मुर्दे की सवारी (ईलाजी की डोल) भी निकाली गई। चित्तौड़वाले की हवेली के पास से मुर्दे की सवारी (ईलाजी की डोल) निकली गई। इसमें जिंदा युवक की अर्थी सजाकर बाजार में घुमाया गया और युवक गुलाल उडाते हुए चलते रहे। कुछ युवक अर्थी पर लेटे युवक पर वार करते रहे। इसके चलते वह अर्थी से कूदकर भागने का प्रयास करता तो फिर से उसे सुला दिया जाता। रंग और गुलालों के बीच परम्परानुसार शहर भर में शीतला सप्तमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कांग्रेस कार्यालय में पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर के नेतृत्व में गैर नृत्य का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों ने हिस्सा लिया।

- **परम्परा के अनुसार सवारी में एक जिंदा युवक की अर्थी सजाकर बाजार में घुमाया गया और पिछे से युवक गुलाल उड़ाते हुए चलते रहे**
- **कुछ युवक अर्थी पर लेटे युवक पर वार करते रहे, इसके चलते वह अर्थी से कूदकर भागने का प्रयास करता तो फिर से उसे सुला दिया जाता है**

भीलवाड़ा में मुर्दे की सवारी (ईलाजी की डोल) निकली गई, इसमें युवक गुलाल उड़ाते हुए चलते रहे।

जानकारी के अनुसार मेवाड़ में होली का रंग पूरे 15 दिन चलता है। अलग–अलग जगहों पर अलग–अलग दिन होली खेली जाती है। जहाजपुर कस्बे में पंचमी को रंग खेला जाता है। भीलवाड़ा, शाहपुरा, गुलाबपुरा व मांडलगढ़ व क्षेत्रों में शीतला सप्तमी व कहीं अष्टमी को रंग व गुलाल खेला जाता है। मांडल में तेरस को होली खेलते हैं। साथ ही बादशाह की सवारी निकालते हैं व नाहर नृत्य का आयोजन किया जाता है। शहर में दोपहर दो बजे वहीं रंगोत्सव को देखते पुलिस ने पुख्ता बंदोबस्त किए। होली में खलल नहीं पड़े, इसके लिए पर्याप्त जाप्ता तैनात किया गया। 800 से ज़्यादा पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए। इसके अलावा आरएसी की तीन कम्पनी और ढाई सौ होमगार्ड भी सुरक्षा में पुलिस के साथ लगाये गये। साथ ही हुड़दंगियों से सख्ती के साथ निपटने के लिए वीडियो और ड्रोन कैमरे से भी नजर रखी गई। शहरवासियों ने जमकर त्योहार का आनंद लिया।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील इलाकों में खास नजर रहीं। सुबह आठ से शाम पांच बजे तक जाप्ता तैनात किया गया। थानों की चेतक और मोबाइल टीम भी लगातार गश्त करती रही। शहर में 75 प्रमुख चौराहे और मोहल्लों को चिह्नित किया गया, जहां जाप्ता तैनात रहा। पुलिस अधिकारी लगातार अपने–अपने इलाके में गश्त करते रहे। शराब पीकर वाहन चलाने, हुड़दंग करने वाले, राहगीरों पर गुलाल फेंकने वालों से सख्ती से निपटा गया। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष में रिर्जव में भी जाप्ता तैनात किया गया था। इसके अलावा घुड़सवार भी कंट्रोल रूम के बाहर तैनात रहे। शहर में सुरक्षा बंदोबस्त में आसपास के थानों से भी प्रभारियों को जाप्ते के साथ बुलाया गया था।

शीतला माता मेले में उमड़े लोग, गैरों ने प्रदर्शन किया

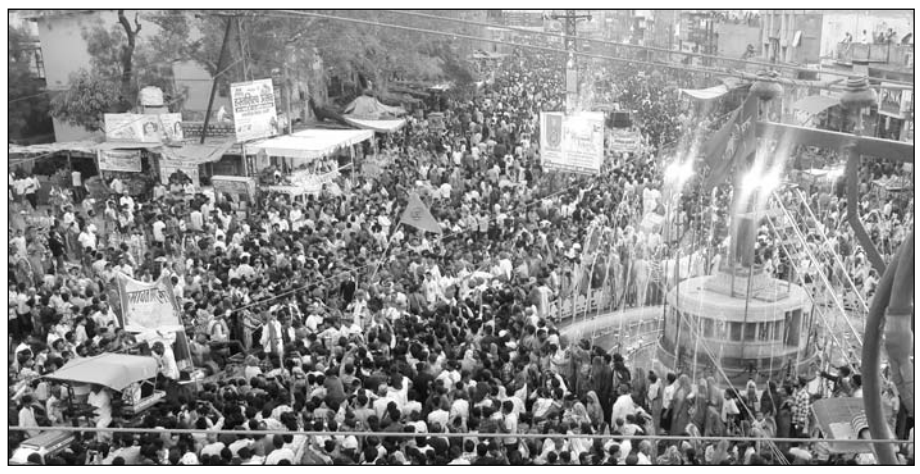

पाली का प्रसिद्ध शीतला माता मेला धूमधाम से आयोजित हुआ।

पाली, (नि.सं.)। पाली का प्रसिद्ध शीतला माता मेला शुक्रवार को धूमधाम से आयोजित हुआ।

नगर निगम और प्रशासन की ओर से आयोजित सूरजपोल चौराहे से मंदिर तक बैरिकेटिंग लगाकर सुरक्षा व्यवस्था की गई। शाम पांच बजे से विभिन्न समाजों की गैरों को आना शुरू हुआ। सूरजपोल से अंबेडकर सर्किल तक पैर रखने की जगह नहीं थी। सड़क के दोनों और महिला और बच्चे बैठे हुए थे। इन गैरों में अंजना पटेल समाज, कुमावत समाज पंचम नगर, सीरवी समाज सूरजपाल, घांची समाज सूरजपाल, सरगरा समाज मेघवाल समाज, घांछियों का बड़ा बास, भलावतों का वास, रामदेव रोड कुमावत समाज, प्रजापत समाज, प्रवासी गाछी समाज, मेवाड़ा समाज माली समाज सहित करीब 25 गैरों ने भाग लिया, जिसमें रंग बिरंगी पोशाकें, महिला महाराज पंडित, मिकी माउस सहित कई रूप धरे डीजे की धुन पर नृत्य नाच रहे थे। एक–एक करके सभी गैर मंच के सामने पहुंचे, कई गैरों में ट्रैक्टर पर महिला पुरुष बनकर नाच रहे थे। एक गैर में योगी जी की झांकी थी। मंच के सामने प्रदर्शन करते हुए निकले जिनको नगर निगम की ओर से झंडा व गुड़ की भेली प्रदान की गई। मंच पर नगर परिषद आयुक्त नवीन भारद्वाज, अतिरिक्त जिला कलेक्टर बजरंग सिंह, नगर परिषद के लोकेश जैन, जितेंद्र सोनी, विधायक भीमराज भाटी, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। चार घंटे के मेले में हजारों शहरवासी उमड पड़े।

खाद्य सुरक्षा टीम ने 150 किलो इमरती नष्ट कराई

खाद्य सुरक्षा टीम ने मोमोज के ठेले पर तेल की जांच की।

गंगापुर सिटी, (निसं)। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को कई दुकानों का निरीक्षण किया। टीम ने 150 किलो इमरती को नष्ट करवाया और मिलावट की जांच के लिए नमूने लिए। वहीं, टीम के आने की जानकारी मिलते ही कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर फरार हो गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेदप्रकाश पूर्विया और नितेश गौतम के नेतृत्व में टीम ने कचहरी रोड और माल गोदाम रोड का निरीक्षण किया। मोनू चाट सेंटर, गोपाल माली हलवाई और विजय चाट सेंटर की जांच में मिठाइयों में अधिक मात्रा में रंग पाया गया। टीम ने 150 किलो इमरती को नष्ट करवाया और मिलावट की जांच के लिए नमूने लिए। माल गोदाम के पास मोमोज के दो ठेलों की जांच की गई। एक ठेले पर खाने की गुणवत्ता सही मिली। दूसरे ठेले पर तेल में पीपीसी का स्तर अधिक होने के कारण खराब तेल को मौके पर ही नाले में डलवाकर नष्ट करवाया गया। टीम ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि तेल दो दिन से अधिक पुराना नहीं होना चाहिए। श्री दाऊजी स्वीट्स पर लाइसेंस की जांच की गई और मिल्क केक का नमूना लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने दुकानदारों को मिलावट से बचने और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने की चेतावनी दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने कैंप लगाकर लगभग 15 नए खाद्य लाइसेंस भी जारी किए। अधिकारियों ने कहा कि मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

राशिफल शनिवार 22 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र रात्रि 3:34 तक, व्यतिपात योग सायं 6:31 तक, बालव करण सायं 4:54 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–धनु, मंगल–मिथुन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज कालाष्टमी, रिषभ देव जयन्ती, व्यतिपात पुण्य है। आज से वर्षीतप आरम्भ होगा। आज से राष्ट्रीय चैत्र मास शाक 1947 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:03 से 9:33 तक, चर 12:34 से 2:04 तक, लाभ–अमृत 2:04 से 5:05 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 6:35

मेष
परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच–विचार होगा। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सुगमता से बनने लगेंगे। शुभ कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

खेत पर पानी देने गये किसान पर पैंथर ने हमला किया, अस्पताल में भर्ती कराया

पैंथर के हमले से किसान के हाथ, पेट व गर्दन पर चोटें आई

- **पैंथर ने बछड़ी का शिकार करते समय नजदीक आ जाने के कारण किसान पर हमला कर दिया था**

बौंली–बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के घाटीला बालाजी पुरानी शहर सवाई माधोपुर हनुमान जी की डूंगरी के पास खेत पर पानी देने गए किसान रतनलाल सैनी पर एक पैंथर ने बछड़ी का शिकार करते समय नजदीक आ जाने के कारण हमला कर दिया। हमले से किसान के हाथ, पेट व गर्दन पर चोटे आई है, किसान को घायल अवस्था में सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने किसान की हालत खतरे से बाहर बताई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान रतनलाल सैनी शुक्रवार को प्रात: करीब नौ बजे हनुमान जी की डूंगरी के पास खेत पर पानी देने गया था। इसी दौरान पैंथर ने हमला कर दिया। वहां मौजूद किसानों ने शोर मचाकर पैंथर को भगाया। राजबाग नाका के वनपाल महेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि खेत पर एक बछड़ी बंधी हुई थी, जिसका पैंथर ने शिकार किया था, पैंथर अपने शिकार को खाने के लिए वहां मौजूद था इसी दौरान किसान वहां आ गया। वन विभाग के आरओपीटी रेंजर अश्वनी प्रताप सिंह के अनुसार इस इलाके में पैंथर का मूवमेंट है।

शीतला सप्तमी मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

जालोर, (कासं)। जालोर में शीतला सप्तमी मेला पर शीतला माता के भक्तो का रेला उमड़ा। वहीं भक्तों ने शीतला माता की पूजा अर्चना कर बासोडा भोजन का भोग लगाया।

जालोर में शीतला सप्तमी को लेकर भक्तों में खास उत्साह नजर आया। शहर के सिरे मंदिर रोड स्थित शीतला माता मंदिर में अल सुबह से ही भक्तो का रेला माता के दर्शनार्थ लगा। शीतला सप्तमी मेला का उदघाटन गुरुवार देर शाम जिला कलैक्टर डॉ.प्रदीप के.गावंडे ने ध्वजारोहरण कर किया। जिला कलैक्टर ने कहा कि मेले हमारी संस्कृति से रुबरु करवाते है तथा शीतला माता का आशीर्वाद सभी बना रहे। इस दौरान एडीएम राजेश मेवाडा, एसडीएम मनोज कुमार, एएसपी मोटाराम व नगरपरिषद की आयुक्त अनिता पहाड़िया सहित कई जने मौजूद रहे। शुक्रवार को मेला स्थल पर भक्तों की भीड़ नजर आई।

मेला स्थल पर विभिन्न प्रकार की दुकान व हाट बाजार नजर आया। जहां भक्तो ने विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की जमकर खरीददारी की। पुलिस व प्रशासन द्वारा भी मेला स्थल पर माकूल व्यवस्था की गई। वही शीतला माता के दर्शन कर भक्तो ने सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। वही बासोडा भोजन का भोग लगाया।

वहीं मोहल्लों के चौहटे पर महिलाओं ने एकत्रित होकर शीतला माता के कथा का वाचन किया।

शीतला माता मेले भक्तों की काफी भीड नजर आई । वही भक्तों ने एक दिन पूर्व ही भोजन बनायाा जिसका भोग दूसरे दिन आज शीतला माता को लगाया ा मेले को लेकर बसो व निजी वाहनो में लोगो की भीड नजर आई।

शीतला सप्तमी मेले को लेकर विभिन्न स्वयं सेवी संगठन की ओर से शीतल पेय, शरबत आदि की जगह जगह व्यवस्था की गई। देर शाम तक शीतला माता के दर्शनार्थ भक्तो की भीड नजर आई।

शिवसेना (यूबीटी) के जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित के निर्देशानुसार, जालोर शहर प्रमुख मिश्रीमल परिहार के नेतृत्व में शीतलमाता मेले में निःशुल्क जल सेवा आयोजित की गई।

इस सेवा के तहत मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और राहगीरों को शुद्ध व ठंडे जल की व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई। इस सेवा कार्य में शहर प्रमुख मिश्रीमल परिहार, शहर सचिव कैलाशजी माली, शिवसेना जालोर शहर उप प्रमुख पूनमो माली, महेन्द्र राणा, कैलाश राणा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शिवसेना द्वारा किए गए इस जनसेवा कार्य को नगरवासियों ने सराहा और संगठन की सराहनीय पहल की प्रशंसा की। भविष्य में भी जनहित के कार्य किए जाने का संकल्प लिया गया।

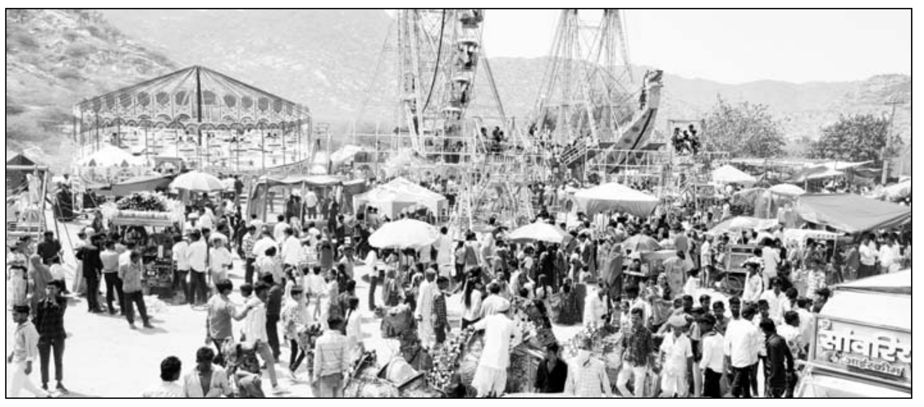

जालोर में शीतला सप्तमी पर मेले का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

टी.बी. मुक्त विशेष अभियान 24 तक चलेगा

पाली, (नि.सं.)। पाली सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत पाली जिले में चिकित्सा विभाग की ओर से सम्पूर्ण जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की दिशा में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिले में 24 मार्च 2025 तक संचालित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य टीबी (क्षय) रोग उन्मूलन को गति देना, समुदाय में टीबी की समय पर पहचान, उपचार एवं रोकथाम सुदृढ करना है। यह जानकारी गुरुवार को उन्होंने पाली शहर के सुमेरपुर रोड स्थित एक होटल में आयोजित मीडिया आमुखीकरण में दी।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिले में अधिक से अधिक निक्षय मित्र को जोड़ा जाए एव इस अभियान के प्रमुख इंडिकेटर्स सदिग्ध टीबी मामलों की जांच (प्रति 1000 जनसंख्या पर 30 से अधिक), टीबी नोटिफिकेशन दर (प्रति 1000 जनसंख्या पर 1 से कम), उपचार सफलता दर (85 प्रतिशत लक्ष्य), ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्ट (60 प्रतिशत मरीजों के लिए), निक्षय पोषण योजना का लाभ (100 प्रतिशत लक्ष्य), निक्षय मित्र द्वारा पोषण किट वितरण (100 प्रतिशत लक्ष्य) निर्धारित किए गए है। डॉ मारवाल ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अन्तर्गत पाली जिले में वर्ष 2023 में 19 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है और वर्ष 2024 में 124 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जायेगा, जिसमें 16 ग्राम पंचायतों को रजत एव 108 ग्राम पंचायतों को गांधीजी की कांस्य प्रतिमा दी जायेगी।

ग्रामीणों ने देशी ढोल की थाप पर नृत्य किया

सायला में सात दिवसीय गैर महोत्सव का शीतला सप्तमी पर समापन हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

सायला, (निसं)। सायला उपखंड मुख्यालय पर सायला की सुप्रसिद्ध सात दिवसीय गैर महोत्सव का शुक्रवार को शीतला सप्तमी पर समापन हुआ।

गैर महोत्सव के तहत अन्तिम दिन शीतला माता चौक में दोपहर से ही गेरियो का पारंपरिक वेशभूषा धोती, कमीज व साफा में सजधज कर आने का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर 2:3० बजे तक बडी संख्या में गेरिये एकत्रित हो गए। इसके बाद शीतला माता के जयकारे के साथ गेरियों ने देशी ढोल की थाप पर नृत्य प्रारम्भ किया। गैर नृत्य के दौरान घुंघुरू व डंडियों की खनक से पूरा माहौल देखते ही बन रहा था। इस दौरान ग्रामीण भी करतल ध्वनि के साथ गेरियों का उत्साहवर्धन कर रहे थे। महिलाएं फाल्गुन के गीत गाती हुई लुर नृत्य कर रही थी। वही श्रद्धालुओं ने शीतला माता मन्दिर में दर्शन कर खुशहाली की कामना की। इस मौके ग्रामीणों की बैठक का भी आयोजन किया गया। बैठक में सायला की प्रसिद्ध गैर के प्रति युवा पीढ़ी को जोड़ने व सायला की सांस्कृतिक परम्परा को बनाए रखने की बात कही। वही नगरपालिका सायला की ओर से गैर स्थल पर पेयजल, छाया व साउंड की व्यवस्था की गई। साथ ही पुलिस की ओर से यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर माकूल बन्दोबस्त किए गए। इस दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

धुलण्डी के दिन से शुरू होने वाली सात दिवसीय गैर नृत्य का आगाज पहले दिन पंचायत समिति रोड पर सांथुओं के वास व मेघवालो के पुराने वास में गैर नृत्य की प्रस्तुति के साथ होता हैं। इसके बाद प्रतिदिन विभिन्न जगहो पर गैर नृत्य होता है। जिसका समापन शीतला सप्तमी के मेले के अवसर पर होता है। यह गैर पूरे जिले में अपनी अलग ही पहचान रखती है। इस गैर नृत्य में गेरियों द्वारा पूर्ण अनुशासन का परिचय देते हुए दो कतारों में एक साथ नृत्य किया जाता हैं। वही गैर नृत्य को लेकर प्रवासी भी अपने घर आते है तथा गैर नृत्य में भाग लेते है।

सायला सहित क्षेत्रभर में शीतला सप्तमी का पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। शीतला सप्तमी पर वीराणा बाईपास रोड स्थित शीतला माता मंदिर में अलसवेरे से ही महिलाओं द्वारा मंगलगीतो के साथ माताजी को भोग लगाने के लिए आने का सिलसिला शुरू हो गया था। जो प्रात: 11 बजे तक जारी रहा। मंदिर में महिलाओं ने माताजी को ठंडे भोजन का भोग लगाकर खुशहाली की कामना की। महिलाओं ने माताजी की कथा का श्रवण कर ठंडे भोजन को ग्रहण किया।

रत्नावती गर्ल्स स्कूल में पौधारोपण किया

राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल जैसलमेर में 128 इको टास्क फोर्स ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर विशेष पौधारोपण अभियान और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल जैसलमेर में 128 इको टास्क फोर्स द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर विशेष पौधारोपण अभियान और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर स्कूल की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्थानिक पौधों का रोपण किया।

अभियान छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने और प्रकृति के साथ जुड़ने का एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने पर्यावरण और प्रकृति से जुड़े चित्र बनाए। राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल, जैसलमेर थार मरुस्थल के हृदय में स्थित है और इसका उद्देश्य कनोई, सलखा, सम गांव, लाखमणों और लूनो की बस्ती की समुदायों की लड़कियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है। वर्तमान में यह विद्यालय एलकेजी से कक्षा 6 तक की 171 छात्राओं को शिक्षा दे रहा है। स्कूल की स्थापना जैसलमेर के शाही परिवार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से की गई है, और यह स्कूल वंचित बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करता है।

महिलाओं ने फागोत्सव मनाया

पाली, (नि.सं.)। राजेंद्र नगर विस्तार में श्याम महिला मित्र मंडल की महिलाओं ने फागोत्सव मनाया।

महिला मंडल की ओर से आयोजित फागोत्सव में महिलाओं ने कई प्रकार के स्वांग रचकर नृत्य किया तथा म्यूजिकल चेयर और रुमाल झपटा आदि खेलो का भी आयोजन उत्साह पूर्वक किया। महिलाओं के द्वारा चंग की थाप पर बाबा श्याम के भजन और होली के गीत गाकर नृत्य किया। साथ ही गैर का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में डिम्पल सुमन कीर्ति पायल कोमल नव्या साक्षी आदि ने अपना भरपूर सहयोग किया।

शीतला माता को ठंडे का भोग

पाली, (नि.सं.)। शीतला सप्तमी के अवसर पर आदर्श नगर स्थित शीतला माता मंदिर में रात्रि 12:00 बजे के बाद महिलाओं द्वारा माता को भोग लगाने के लिए लाइन लगने शुरू हो गई। जहां सुबह 7:00 बजे तक जबरदस्त भीड़ हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिलाए सुबह जल्दी उठ स्नान आदि से निवृत होकर सज धज कर माताजी की पूजन करने पूजा का थाल जिसमें मक्की दही की घाट, पंचकुता का साग, मिठाई पूड़ी सब्जी कंकू मौली, मेहंदी सजाकर मंदिर पहुंची।

शीतला माता को ठंडा जल चढ़कर भोग लगाया। रात्रि 12:00 बजे से दोपहर बजे 12:00 बजे तक पूजन का सिलसिला जारी रहा।

टी.बी. मुक्त अभियान के कार्यों की समीक्षा हुई

जैसलमेर में कलैक्टर प्रतापसिंह ने चिकित्सा अधिकारियों की बैठक ली। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर प्रतापसिंह ने बैठक में चिकित्सा अधिकारियों को टीबी मुक्त ग्रामपंचायत अभियान अंतर्गत निर्धारित समस्त गतिविधियों का समय पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टीबी की जांच के लिये निर्धारित लक्ष्य अनुरूप बलगम के नमूनो की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियो को गंभीरतापूर्वक दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार कर जिले को अग्रणीय जिलों में लाने के लिए सार्थक प्रयास करने पर विशेष जोर दिया।

वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निक्षय संबल योजना चलाई जा रही है। इसी क्रम में जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने निक्षय मित्र बनकर टीवी रोगियों के लिए सामुदायिक सहायता एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है।

विधायक भाटी ने टीबी मरीज को गोद लेकर प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की पहल की और जैसलमेर को टीबी मुक्त बनाने का आहवान किया।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिलापरिषद रश्मि रानी, डॉ. राजेंद्रकुमार पालीवाल, पीएमओ जैसलमेर डॉ चंदनसिंह, पीएमओ पोकरण डॉ. अनिल गुप्ता, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम डी सोनी, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नारायणराम, जिला औषधि भंडार प्रभारी अधिकारी डॉ निखिल शर्मा, डीटीओ डॉ स्वप्निल, उप निदेशक महिला अधिकारिता विभाग अशोक गोयल, समस्त खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लेखाधिकारी रमेशदान, डीपीओ अजयसिंह कड़वासरा व विजयसिंह, डीएनओ पवन शर्मा एवं जिले के समस्त सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

अद्वैता शर्मा रायपुर की मूट कोर्ट प्रति. में जज

एडवोकेट अद्वैता शर्मा

जोधपुर, (का.सं.)। हिदायतुल्ला नेशनल लॉ विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट क्वार्टर फाइनल प्रतियोगिता में एडवोकेट अद्वैता शर्मा पुत्री डॉ. नगेंद्र शर्मा को बतौर जज के रूप में आमंत्रित किया है।

वर्तमान में एडवोकेट अद्वैता शर्मा सुप्रीम कोर्ट और जोधपुर हाइकोर्ट में कार्य कर रही है। अद्वैता एनसी ट्राल कॉर्डिनेशन कमेटी, इंडिया के राष्ट्रीय सचिव के पद पर है। अद्वैता ने अपनी एल एल बी की शिक्षा जी एन एल यू ,गांधीनगर से और एल एल एम किंग्स लॉ कॉलेज लंदन से करने के बाद सुप्रीम कोर्ट देहली में अपनी प्रैक्टिस शुरू की और वर्तमान में जोधपुर हाइकोर्ट में भी प्रैक्टिस कर रही है। अद्वैता ने बताया कि मूट कोर्ट प्रतियोगिता में जज बनना मेरे लिए अच्छा अनुभव होगा।

संकुल संयोजक एवं संयोजक कार्यशाला कल

रेवदर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा रेवदर जिला सिरोही की संकुल तरीय संयोजक एवं सह संयोजकों की कार्यशाला का आयोजन कल महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेवदर में होगा ।

उपशाखा अध्यक्ष विरेंद्र पाल सिंह मंडार ने बताया कि उपशाखा रेवदर के 39 पंचायतों को संगठन द्वारा संकुल की संज्ञा दी है और प्रत्येक संकुलों के संयोजकों और सहसंयोजक की कार्यशाला का आयोजन कल होगा , जिसमें संगठन के पदाधिकारियों द्वारा उनको प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जगसीराम कोली , मुख्य वक्ता एवं अतिविष्ट अतिथि शैतान सिंह राठौड प्रदेश उपाध्यक्ष पाली संभाग , कार्य म के पर्यवेक्षक भुराराम चौधरी उपसभाध्यक्ष सिरोही रहेंगे। उपशाखा मंत्री रामनिवास मोठसरा ने बताया कि उपशाखा अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम से संगठन के कार्य का विस्तार होगा और कार्य संचालन त्वरित गति से होगा।

सीनियर वूशु प्रतियोगिता के लिए जालोर टीम रवाना

पुष्कर अजमेर में 18 वीं राज्य स्तरीय सीनियर वूशु प्रतियोगिता के लिये जालोर जिले का क्रीड़ा दल जिला वूशु संघ के महासचिव कन्हैयालाल मिश्रा के साथ रवाना हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। पुष्कर अजमेर में आयोजित होने वाली 18वीं राज्य स्तरीय सीनियर वूशु प्रतियोगिता के लिये जिले का क्रीडा दल जिला वूशु संघ के महासचिव कन्हैयालाल मिश्रा के साथ रवाना हुआ।

जिला वूशु संघ के अध्यक्ष शिवदत्त आर्य ने बताया कि 21 से 23 मार्च तक आयोजित हो रही राज्य स्तरीय सीनियर वूशु प्रतियोगिता के लिए जिले के सात सदस्यीय वूशु खिलाडियों के महिला वर्ग 52 किलो भारवर्ग में अनीता कुमारी व 65 किलो भारवर्ग में सुनीता चौधरी भाग ले रही हैं।वहीं पुरुष वर्ग 48 किलो वजनवर्ग में संजय कुमार,52किलो में मुकेश कुमार,60 किलो में कैलाश चंद्र, 70 किलो में नवीन दवे व 80 किलो वजनवर्ग में भावेश कुमार जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सभी खिलाडियों को जिला वूशु संघ के पदाधिकारियों ने शुभकामना देकर रवाना किया।

देसूरी से चारभुजा सड़क मार्ग का कार्य होगा

पाली, (नि.सं.)। खतरनाक देसूरी नाल घाटी सेक्सन से जुडे सड़क मार्ग पाली-देसूरी-नाडोल-चारभूजा के विकास क लिए केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने डी.पी.आर. बनाने की मंजूरी दे दी है।

लगातार सड़क हादसों और यात्रियों के लिए मौत की घाटी के रूप में कुख्यात हो चुके इस सड़क मार्ग के विकास के लिए पाली सांसद पीपी चौधरी लगातार रूप से सक्रिय रहे। हाल ही 13 दिसंबर में वे इस संबंध में केन्द्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी से भी मिले और लोकसभा कार्यवाही और पत्राचार के माध्यम से इस मुद्दे को लगातार उठाते रहे। उन्होंने डीपीआर बनाने की मंजूरी मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इस 9 किमी लंबे सड़क मार्ग के विकास होने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

रमजान माह के तीसरे जुम्मे पर मस्जिदों में भीड़ रही

जालोर शहर के शाही जामा मस्जिद में रमजान माह के जुम्मे में मोमीनों ने नमाज अता की। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में रमजान के पाक महीने के तीसरे जुम्मे को लेकर मस्जिदो में मोमीनों की भीड उमडी। शहर की विभिन्न मस्जिदों में खास इंतजाम किए गए, जहां मोमिनों ने अल्लाह से रहमत, बरकत और मगफिरत की दुआएं मांगी।

जालोर की जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना मारूफ ने बताया कि रमजान के जुम्मे को जुम्मतुल मुबारक कहा जाता है, जिसकी खास अहमियत होती है। इस मौके पर मस्जिदों में खुतबा पढा गया, जिसमें रमजान के महत्व, रोजे की फजीलत और नेक अमल की सीख दी गई।

पिंजारों की मस्जिद के इमाम वकार आजम ने जुम्मे की नमाज अता करवाई, सिलावटान मस्जिद के मौलाना सलीम मुस्तफाई ने रमजान में रोजा रखने और इबादत करने की नसीहत दी।

इस मौके पर मुस्लिम समाज की महिलाओं और बच्चों ने भी रोजा रखकर अल्लाह की बारगाह में दुआ मांगी। इस दौरान महिलाओं ने कुरान की तिलावट में वक्त बिताया और इबादत में मशगूल रही।

मंडार संवाददाता के अनुसार: मंडार में माहे रमजान के तीसरे जुमे की नमाज अकीदत और अहतराम के साथ अदा की गई।रेवदर उपखंड की तमाम मस्जिदों और इबादतगाहों में नमाज अदा की गई। मंडार स्थित मस्जिद इरम, रेवदर, अनादरा, कृष्णगंज,भटाणा, क्षेत्रों की मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की गई। घरों में महिलाओं ने भी समूह में नमाज अदा की। इसी के साथ शुक्रवार को 2० वा रोजा पूरा हो गया। नमाज से पहले पेश इमाम सिद्दीकी अकबरी ने रोजा और नमाज की अहमियत के बारे में बताया। मंडार मस्जिद इरम स्थित के पेश इमाम सिद्दीकी अबकबरी ने तकरीर में कहा कि रोजा परहेजगारी सिखाता है।वही इस महीने में जकात फितरा और गरीब की मदद करें।

संयुक्त कर्मचारी महासंघ की बैठक आयोजित

जालोर, (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ जिला शिक्षा जालोर की बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष किशनलाल सारण की अध्यक्षता में कचहरी रोड भीनमाल में किया गया।

महासंघ के जिला मंत्री साँवला राम चौधरी के अनुसार महासंघ जिला कार्यकारिणी के विभिन्न पदों पर गठन सर्वसहमति से किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए महासंघ जिलाध्यक्ष किशनलाल सारण ने कहा कि पशुपालन विभाग द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारी कर्मचारियों को निलंबित किया जा रहा है । जिसकी महासंघ निंदा करता है एवं राज्य सरकार से कर्मचारियों की वाजिब मांगों पर सकारात्मक निर्णय करने का आग्रह किया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रगतिशील संगठन के मुख्य महामंत्री पूनम चंद बिश्नोई ने प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक गतिविधियों एवं कर्मचारियों के विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर आंदोलन के कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी प्रदान की। सभा को संबोधित करते हुए पटवार संघ के जिला अध्यक्ष कमलेश कुमार जानी ने महासंघ को मजबूती प्रदान करने के लिए सम्यक प्रयास करने का आव्हान किया। सभा को ग्राम विकास अधिकारी संघ जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश विश्नोई ने कर्मचारियों के विभिन्न मांगों को लेकर आगामी दिनों में संघर्ष में बढ चढकर भागीदारी करने का आव्हान किया। बैठक को शारीरिक शिक्षक संघ के हरिराम सारण ने उपस्थित कार्मिकों को मिलकर सामूहिक आंदोलन करने का आग्रह किया एवं व्यापक एकता पर जोर दिया।

बैठक में जयकरण खिलेरी, महादेवाराम देवासी, जालाराम विशनोई राजूराम सारण,पूनमाराम मांजू,जसाराम विरास, रामनारायण जानी, प्रभाराम चौधरी तेजाराम खिलेरी, रमेश देवासी, कैलाश कडवासरा विशनाराम देवासी लादूराम बिश्नोई,मालाराम चौथा राम नरपत राम चौधरी किस्ताराम जांगू वीर रमजान रामचंद्र जीनगर पूनम चंद सुरेश कुमार,महेश कुमार गोयल कैलाश बिश्नोई अखाराम देवासी, तेजाराम जाखड भाखरा राम सारण, वीरमाराम चौधरी सुरेश जांगू हजाराम राणा, गणपत लाल बिश्नोई सहित घटक संगठनों के कर्मचारियों ने अपने विचार दिए एवं बैठक मे भाग लिया।

सर्विस लेन पर थर्मल राख से भरे चार ट्रेलर वाहनों की भिड़ंत, आग में चालक जिंदा जला

मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने एक वाहन में जिंदा जले चालक के कंकाल को कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला

मांडलगढ़ के लाडपुरा में चार वाहनों की भिड़ंत के बाद उठी आग की लपटों में एक वाहन चालक जिंदा जल गया। मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग पर काबू पाया।

- मांडलगढ़ के निकट एनएच-27 के लाडपुरा चौराहे की सर्विसलेन सड़क पर चक्काजाम के दौरान हादसा हुआ
- आग इतनी भीषण थी कि हादसे में दो वाहन पूरी तरह से जल कर राख हो गए और दो अन्य अधजले वाहन को एक तरफ करके बचाया गया
- भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिले से चार दमकल वाहन और स्थानीय पानी के टैंकर मंगवा कर कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के निकट एनएच-27 के लाडपुरा चौराहे की सर्विसलेन सड़क पर शुक्रवार सुबह चक्काजाम में फंसे थर्मल राख से भरे चार ट्रेलर वाहनों की भिड़ंत हो गई। इससे आग की भीषण लपटें उठने लगी। इस घटना में मांडलगढ़ के निकट फुलजी की खेड़ी निवासी ट्रेलर चालक शम्भूलाल धाकड़ जिंदा जल गया। घटना स्थल पर आग की लपटों को देख अफरातफरी का माहौल बन गया। जाम में फंसे अन्य वाहनों को चालक बचाने की मशक्कत करने में जुटे। आग इतनी भीषण थी कि हादसे में दो वाहन पूरी तरह से जल कर राख हो गए और दो अन्य अधजले वाहन को एक तरफ करके बचाया गया।

हादसे के बाद भीलवाड़ा और कोटा-चित्तौड़गढ़ हाइवे मार्ग पर करीब दो किलोमीटर लम्बी लाइन में वाहनों की कतार लग गई, इस दौरान कई यात्री वाहन भी जाम में फंसे रहे। सूचना पर मांडलगढ़ थानाधिकारी प्रोबेशनर आईपीएस जतिन जैन, पुलिस उप अधीक्षक बाबूलाल विश्नोई, उपखण्ड अधिकारी मनमोहन शर्मा और मांडलगढ़, बीगोद थाना पुलिस की टीम मौक़े पर पहुंची। मौक़े पर वाहनों में लगी भीषण आग की लपटों के देख प्रोबेशनर आइपीएस जतिन जैन ने भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिले से चार दमकल वाहन और स्थानीय पानी के टैंकर मंगवा कर कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया।

मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने एक वाहन में जिंदा जले चालक के कंकाल को कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला और शव कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए मांडलगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में भेजा गया। आग पर काबू पाने के लिए माड़ना गांव स्थित एक स्पिनर फैक्ट्री, बेगूं नगरपालिका, चित्तौड़गढ़ व भीलवाड़ा से चार दमकल वाहनों ने फेरे लगा कर आग पर काबू पाया। आग की लपटों से दो ट्रेलर वाहनों में बड़ा नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार कोटा-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाइवे-27 पर माड़ना फैक्टरी के पास एक एलपीजी गैस से भरा टैंकर गुरुवार रात में पलट गया था। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने हाइवे सड़क के 20 किलोमीटर के दायरे को सील कर ट्रैफिक बन्द कर दिया था, जिससे लाडपुरा में चक्काजाम की स्थित बनी हुई थी। मौके पर मौजूद मांडलगढ़ थाने के सहायक उप निरीक्षक रामसिंह ने बताया कि लाडपुरा में सर्विस रोड़ पर कोटा की ओर से तेज रफ्तार से आए एक ट्रेलर के टायरों में आग निकल रही थी और ट्रेलर ने आगे खड़े पेट्रोलियम कम्पनी के दूसरे टैंकर के जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह आगजनी की घटना सामने आई है। बीती रात एनएच 27 पर बेगूं थाना क्षेत्र के नितिन स्पिनर्स के पास सड़क पर पलटे एलपीजी गैस टैंकर वाहन को पेट्रोलियम कम्पनी की रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित सीधा कर लिया है, टैंकर में एलपीजी गैस रिसाव कहीं पर नहीं होने की जानकारी सामने आने के बाद करीब 14 घंटे से बन्द नेशनल हाईवे 27 सड़क मार्ग पर यातायात शुरू कर दिया गया है।

एलपीजी गैस टैंकर के हादसे के बाद एतियातन पुलिस ने ओर पेट्रोलियम कम्पनी की रेस्क्यू टीम ने एनएच 27 पर लाडपुरा और बिछोर में ट्रैफिक रोक दिया था, जिससे कारण दोनों जगह करीब दो किलोमीटर तक सैकड़ों वाहन जाम में फंसे हुए थे।

बहन का कटा पैर लेकर अस्पताल पहुंचा भाई

एक्सीडेंट में 15 साल की लड़की का पैर कटकर सड़क पर गिर गया था

- अस्पताल में डॉक्टर्स ने बताया कि बच्ची का पैर जुड़ पाना अब संभव नहीं है

पाली, (निसं)। सड़क हादसे में लड़की का पैर कटकर अलग हो गया। घबराए परिजन उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। लड़की के साथ उसके मामा का लड़का भी था, वह थैली में बहन का कटा हुआ पैर लेकर पहुंचा।

हादसा शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे पाली शहर के पास जैतपुर गांव के करीब हुआ। हादसे में लड़की का पैर कटकर सड़क पर गिर गया। इधर, घायल मनीषा (15) को परिजन पाली के बांगड़ अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टर्स ने बताया कि बच्ची का पैर जुड़ पाना अब संभव नहीं है। मनीषा पाली के जैतपुर गांव की रहने वाली है। गुरुवार को वह अपनी मां के साथ टेम्पो में बैठकर अपने ननिहाल धोलैरिया शासन जा रही थी। टेम्पो में करीब 8 से 10 सवारियां थी। वह टेम्पो में किनारे पर बैठी थी। जैतपुर से निकलते ही स्पीड में गैस सिलेंडर से भरी पिकअप टेम्पो के पास से निकली। इसी दौरान पिकअप की टक्कर लगते ही पैर के नीचे एडी वाला हिस्सा कटकर अलग हो गया। हादसे के बाद मनीषा जोर-जोर से चिखने और चिल्लाने लगी। हादसे के बाद मनीष के परिजन उसे बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। परिवार के लोग एक थैली में कटे पैर का हिस्सा लेकर अस्पताल आए और उसे जोड़ने का कहा। लड़की की हालत देख डॉक्टर ने पैर दोबारा जोड़ने के लिए मना कर दिया। मामले में बांगड़ हॉस्पिटल के डॉक्टर सुखदेव चौधरी का कहना है कि मरीज का जिस तरह पैर कटा है उसे वापस जोड़ना संभव नहीं, क्योंकि पैरों की ज्यादातर नसें डैमेज हो चुकी हैं। मामले में घायल के मामा के लड़के विक्रम का कहना है कि पिकअप सवार ड्राइवर की लापरवाही से उसकी बहन अपाहिज हुई है। उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए तथा परिवार को मदद मिलनी चाहिए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

टोंक, (निसं)। उनियारा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को शिवराजपुरा के पास सड़क हादसे में अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौत हो गई।

सूत्रों के अनुसार मृतका स्कूटी पर अपने पीहर जा रही थी, इसी दौरान पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, इससे वह गंभीर घायल हो गई। बाद में उनियारा पुलिस मौके पहुंची और उसे सआदत अस्पताल में लाए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। अज्ञात वाहन चालक वाहन को भगाकर ले गया, जिसकी उनियारा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया है कि मृतका का पति कॉन्स्टेबल है, जो जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत है।

पंद्रह करोड़ रुपए की तीन किलोग्राम हेरोइन जब्त

बीकानेर, (निसं)। सेक्टर हेड क्वार्टर सीमा सुरक्षा बल बीकानेर इंटेलिजेंस ब्रांच की पुख्ता सूचना के आधार पर पंद्रह करोड़ रुपए की तीन किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। इंटेलिजेंस ब्रांच की सूचना के आधार पर 12 केएनडी ग्राम के चक 3 केएनएम में सीमा सुरक्षा बल के द्वारा अतिरिक्त गश्त बढ़ाई गई जिससे तस्कर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए।

विदुर भारद्वाज डीआईजी इंटेलीजेंस जोधपुर के दिशा निर्देश पर उप समादेष्टा इंटेलिजेंस महेश चंद जाट इंस्पेक्टर ताराचंद यादव, इंस्पेक्टर अजय कुमार पांडे, दीपक कुमार एवं उसकी टीम ने पूरे इलाके में सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान के आधार पर 12 केएनडी इलाके के 3 केएनएम इलाके में एक येलो कलर के पैकेट में तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतराष्ट्रीय कीमत पंद्रह करोड़ रुपए है। इस सर्च अभियान में प्रभाकर सिंह कमांडेंट 140 वी वाहिनी बीएसएफ कार्यवाहक कंपनी कमांडर दीपक कुमार एवं उसकी टीम के द्वारा पुलिस रावल मंडी के साथ पूरे इलाके में सर्च अभियान चलाया गया। इंटेलिजेंस ब्रांच की 2025 में हथियार बरामदी की यह बड़ी उपलब्धि है। 2025 फरवरी माह में 10 बीडी निवासी जरनैल सिंह को देशी कट्टा और दो

इंटेलिजेंस ब्रांच की सूचना पर 12 केएनडी ग्राम के चक 3 केएनएम में कार्रवाई की।

कारतूस के साथ पकड़ा था। बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच की आसूचना के आधार पर वर्ष 2024 अप्रैल माह में सीमा चौकी नेमीचंद के 23 केडी इलाके में एक पाकिस्तानी ड्रोन, जुलाई माह में सीमा चौकी नेमीचंद के 23 केडी इलाके में दो किलो हेरोइन, एक मोटरसाइकिल और तस्कर हरदीप निवासी समेजा कोठी को पकड़ा गया और कुख्यात तस्कर चरणजीत उर्फ चन्नी निवासी समेजा कोठी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। दो अक्टूबर को सीमा चौकी दीपवाला, अश्विनी इलाके में 2 किलो 200 ग्राम हेरोइन और एक पाकिस्तान ड्रोन की बरामदी हुई। अक्टूबर माह में पबनी सीमा चौकी से 2.2 किलोग्राम हीरोइन की बरामदगी की गई। बीएसएफ इंटेलीजेंस बीकानेर बॉर्डर एरिया में बहुत ही सतर्कता से काम रही है ताकि इस क्षेत्र को नशे और अपराध मुक्त बनाया जा सके।

खाटूश्यामजी जा रहे मेरठ निवासी श्रद्धालु हादसे का शिकार, तीन की मौत

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम मोरदा के निकट पुलिया के पास शुक्रवार अलसुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक आठ वर्षिय बालक व दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि हादसे में आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये, जिनमें से चार लोगों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि यूपी के मेरठ निवासी श्रद्धालु कार में सवार होकर खाटूश्यामजी जा रहे थे। कार को ग्राम मोरदा पुलिया के पास पीछे से एक ट्रोले ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गये, जबकि ट्रोला भी अनियंत्रित होकर डिवाईडर से टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। साथ ही राजमार्ग पर यातायात भी बाधित हो गया।

हादसे के बाद पीड़ित परिवार के कुछ और सदस्य भी पीछे आ रही कार में आ रहे थे। जैसे ही उन्हें घटना की खबर मिली तो उनका भी रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पनियाला थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को

हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। वहीं मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायलों को संभाला।

- सड़क हादसे में एक आठ वर्षिय बालक व दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत, आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल
- दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम मोरदा पुलिया के पास पीछे से एक ट्रोले ने कार को टक्कर मार दी

किसी तरह कार से बाहर निकाल कर राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल कोटपूतली पहुंचाया, जिससे कार में सवार यूपी के मेरठ जिला के अमरसिंहपुर निवासी रेखा (50) पत्नी नरेन्द्र सिंह जाट, मेरठ के मोदीपुरम निवासी पार्थ (8) पुत्र सुनील कुमार व मेरठ के खालिदपुर निवासी कामेश (55) पत्नी हरेन्द्र जाट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मेरठ के कांकर खेड़ा निवासी ज्योति (34) पत्नी कपिल कुमार जाट व हरियाणा के पलवल निवासी रश्मी (35) पत्नी हिमांशु जाट एवं उसका पति हिमांशु (38) पुत्र सुरेन्द्र जाट सहित ट्रोले में सवार सीकर के रैया का बास, पाटन निवासी हेमराज (22) पुत्र दाताराम गुर्जर को जयपुर रैफर किया गया है। वहीं कार सवार मिथलेश (50) पत्नी मोहन सिंह कश्यप निवासी मानपुर, बिजनौर (यूपी) व ट्रोला सवार दशरथ (35) पुत्र ओनाड़ गुर्जर निवासी कल्याणपुरा कलां, सरूण्ड को कोटपूतली अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती करवाया गया है। जहां उनका उपचार किया।

सहायक लोको पायलट ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके के उज्जवल विहार में रेलवे में कार्यरत सहायक लोको पायलट लोकेश मालव (35) ने गुरूवार को घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय लोकेश मालव घर में अकेला था किसी घरेलू विवाद के चलते पत्नी दो साल से अपने बच्चे के साथ पीहर में रह रही थी। पुलिस को मौके से सुसाईड नोट भी मिला है। शुक्रवार को मृतक के परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया।

बोरखेड़ा थाने के एएसआई सुरेश गोचर ने बताया कि किशनगंज गांव बड़ौद हाल उज्जवल विहार निवासी लोकेश मालव ने घर में फांसी का फंदा लगा लिया। मृतक रेलवे में नौकरी करता था। एएसआई ने बताया कि मौके से सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसकी पत्नी से अनबन के चलते दो साल से पीहर से नही आ रही थी उसका एक बेटा भी है उसको बेटे से नहीं मिलने देते जिससे वह परेशान होकर सुसाइड कर रहा है। एएसआई ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

वहीं सहायक लोको पायलट लोकेश मालव द्वारा सुसाईड का कदम उठाने के बाद उसके साथी एमबीएस

सहायक लोको पायलट की मौत के बाद प्रदर्शन कर रहे मृतक के साथियों से रेलवे डीआरएम अनिल कालरा ने समझाइश की

अस्पताल की मोर्चरी पर पहुंचे और एमबीएस अस्पताल से मृतक के शव को एंबुलेंस में लेकर परिजन व मृतक के साथी डीआएम कार्यालय पहुंचे जहां संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा उसको प्रताड़ित व परेशान करने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग को लेकर साथी कर्मचारियों ने डीआरएम कार्यलय के बाहर विरोध दर्ज कराया। वहीं डीआरएम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ एवं भीमगंजमंडी थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। मृतक के साथी कर्मचारी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुए डीआएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गये। वहीं हंगामे की सूचना मिलते ही डीआरएम अनिल कालरा मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन कर रहे रेलवे के रनिंग कर्मचारियों से समझाइश करते हुए कहा कि जो घटना हुई है बड़ी दुखद घटना है, मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। जिसके बाद मामला शांत हुआ और मृतक के साथी कर्मचारी वापस लौट गये।

वहीं साथी कर्मचारी सहायक लोको पायलट धर्मराज ने बताया कि उसका साथी लोकेश पैसेंजर ट्रेन का सहायक लोको पायलट था पिछले सप्ताह तबियत खराब होने पर उसने खांसी की दवाई ली थी, लेकिन चितौड़ में सांस परीक्षण के दौरान थोड़ी मात्रा में एल्कोहल पाया गया जब कोटा में जांच की तो एल्कोहल नहीं मिला था। पर अधिकारियों द्वारा उस पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाकर जेल भेजने की बात की जा रही थी जिससे वह डर गया और डर से यह कदम उठाया।

वहीं रेलवे के सीएलआई संतोष कुमार ने कहा कि 10 मार्च को चितौड़ में जांच परीक्षण के दौरान सहायक लोको पायलेट लोकेश मालव के अंदर एल्कोहल मिला था लेकिन रनिंग कर्मचारियों द्वारा अधिकारियों पर परेशान करने का जो आरोप लगाया जा रहा है वह निराधार हैं।

- किसी घरेलू विवाद के चलते पत्नी दो साल से अपने बच्चे के साथ पीहर में रह रही थी
- पुलिस को सुसाइड नोट मिला, मृतक के परिजनों के कोटा पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम कराया

स्मैक के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

गंगापुर सिटी/बौंली-बामनवास, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उदेई मोड थाना पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को 15.36 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देश पर चलाए गए अभियान में यह कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार पुलिस टीम बायपास रोड स्थित ग्रीन पार्क कॉलोनी में गश्त कर रही थी। एक खाली प्लॉट की बाउंड्री के पास एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़कर तलाशी ली। आरोपी की पहचान सद्दाम उर्फ अहू के रूप में हुई। वह थाना उदेई मोड का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है।

उस पर मारपीट, चोरी, आर्म्स एक्ट, हत्या का प्रयास, बलात्कार और डकैती की योजना जैसे करीब डेढ़ दर्जन मामले दर्ज हैं। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है। उसके साथी काशी मीना की तलाश जारी है। कार्रवाई में थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में कॉन्स्टेबल हरवेंद्र सिंह, रविकांत और ड्राइवर वीरेंद्र शर्मा की टीम शामिल थी। यह अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना के सुपरविजन में चलाया गया।

स्कूल के टांके में सरकारी टीचर का शव मिला

चश्मा-फोन ऑफिस में था, चप्पल बाहर मिली तो शक हुआ

बीकानेर, (निसं)। यहां एक सरकारी स्कूल में पानी संग्रहण के टांके में टीचर का शव मिला है। टीचर के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। फिलहाल, शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

हदां थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि दासौड़ी गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में बने टांके में टीचर देवराज चारण का शव मिला है। 55 साल के चारण पिछले कुछ सालों से इसी स्कूल में कार्यरत थे। गांव के लोगों के साथ भी उनका अच्छा संपर्क था। वह स्कूल आए थे। छुट्टी के बाद उनका चश्मा और मोबाइल फोन ऑफिस में ही पड़े थे। ऐसे में चारण की तलाश की गई। उनकी चप्पल स्कूल में ही बने साढ़े दस फीट गहरे टांके के पास मिली। इस पर टांके के अंदर देखा तो उनका शव तैर रहा था। जैसे-तैसे चारण को बाहर निकाला गया। चारण को तुरंत निकटवर्ती अस्पताल भी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। चारण के भतीजे पृथ्वीराज चारण ने हदां पुलिस थाने में मर्ग दर्ज कराई है, जिस पर थानाधिकारी ओमप्रकाश को जांच सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि चारण पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

राजस्थान स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड

क्रमांकः एफ1( )/RSBCL/प्रशासन/2024-25/9898 दिनांक : 20.03.2025

ई-बिड सूचना - 21 एवं 22

1. निगम में कार्य आधार पर कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन) उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक सेवा प्रदाता/फर्म/कंपनी से ऑनलाइन बिड आमंत्रित की जाती है।
   UBN No. BCL2425SLOB00020
2. निगम में कार्य आधार पर मानव संसाधन (च0श्रे0कर्मचारी) उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक सेवा प्रदाता/फर्म/कंपनी से ऑनलाइन बिड आमंत्रित की जाती है।
   UBN No. BCL2425SLOB00021

इस सम्बन्ध में विस्तृत विवरण एवं बिड प्रपत्र वेबसाइट https://sppp.rajasthan.gov.in, https://excise.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

इच्छुक बिडदाता अपनी बिड दिनांक 22.03.2025 से 31.03.2025 सायं 06.00 बजे तक https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते है।

राज.संवाद/सी/24/13666 कार्यकारी निदेशक

इमरजेंसी में मुझे बिना अपराध जेल में रखा : जोगेश्वर गर्ग

विधानसभा में लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान बिल पर बहस के दौरान बोले मुख्य सचेतक

जयपुर। लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान बिल पर बहस के दौरान सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान मुझे 151 के तहत गिरफ्तार करके महीनों तक जेल में रखा। हमारी कोई गवाही नहीं देता था। उस समय का वातावरण क्या था, यह बताता हूं। पहले तो मजिस्ट्रेट ही सुनवाई नहीं करते थे, फिर जैसे तैसे सुनवाई हुई। जज ने हमें गिरफ्तार करने वाले थानेदार से पूछा कि इनका गुनाह क्या है, तो वह बोला कि ये तो आगजनी कर रहे थे। हम तो दो लोग मसाल लेकर जा रहे थे, आगजन कैसे करते। फिर जब दूसरे गुनाह के बारे में पूछा तो थानेदार ने कहा कि ये नारे लगा रहे थे, भारत माता की जय बोल रहे थे। यह आज भी कोर्ट के रिकॉर्ड में मिल जाएगा। उस वक्त भारत माता की जय बोलना अपराध घोषित कर दिया था, कांग्रेस के लोग उस दौर को जस्टिफाई कर रहे थे, आपसे और गया बीता कौन हो सकता है? आप उस दौर की ज्यादतियों के लिए माफी मांगते तो कोई बात थी।

■ **इमरजेंसी में जेल जाने वाले मुल्जिम : रफीक खान**

लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान बिल पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान के इमरजेंसी में जेल जने वालों के लिए मुल्जिम शब्द का इस्तेमाल करने पर बीजेपी विधायकों ने कड़ी आपत्ति की। इस पर सदन में हंगामे के हालात बन गए। काफी देर तक कांग्रेस-बीजेपी विधायकों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। रफीक खान ने कहा कि जुर्म करोगे तो जेल ही जाओगे? आप जुर्म करने वाले मुल्जिमों को पेंशन देने कानून ला रहे हो। इस पर बीजेपी विधायकों ने कहा कि मुल्जिम कहना गलत होगा। रफीक खान ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले को मुल्जिम ही कहोगे। किसान जो आंदोलन कर रहे हैं उनके साथ आपने कैसा बर्ताव किया। उनके साथ वादाखिलाफी की। किसान क्या लोकतंत्र का पार्ट नहीं है। हमारी सरकार की चिरंजीवी स्कीम बरकरार रख लेते तो बिल लाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान बिल पर बहस के दौरान बीजेपी विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान भारी अत्याचार किए गए। हम आरएसएस की शाखाओं में जाते थे, उस समय नाबालिग थे। हमारे एक 16 साल के बाल स्वयंसेवक को पुलिस ने पकड़कर इतना पीटा कि उसके कान के पर्दे फट गए। इमरजेंसी में मनमाने तरीके से जेल में डाला गया। एक रोडवेज ड्राइवर का किस्सा है, बीच रोड भैंस बैठी थी, उसे लेकर रोडवेज ड्राइवर ने कमेंट कर दिया कि इंदिरा गांधी की तरह ठूंठ बनकर बैठी है। इस कमेंट पर उस ड्राइवर को जेल में डाल दिया था। जैन ने कहा कि इंदिरा गांधी को भरोसा दिलाया गया था कि 400 सीट कांग्रेस की आएगी, तब इमरजेंसी हटाकर चुनाव करवाने का फैसला किया था। तब लोग कहते थे कि गाय और बछड़ा दोनों हारेंगे। उस समय गाय और बछड़ा कांग्रेस का चुनाव चिह्न था। इंदिरा गांधी और संजय गांधी दोनों चुनाव लड़े और हारे थे। इमरजेंसी को सिलेबस में शामिल करके पढ़ाया जाए ताकि नई पीढ़ी को पता लगे।

सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी पर बारिश के दौरान पानी भराव से निजात के लिए नाला डाला जा रहा है। अंबाबाड़ी सब्जी मंडी के पीछे तक ये नाला पहुंचे काफी समय हो चुका है। तब से इस रोड को खोद कर छोड़ रखा है। लोग लंबा चक्कर बचाने के लिए जीवन जोखिम में डाल कर नाला क्रॉस कर रहे हैं।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुषमा महाजन द्वारा बनाए चित्रों की प्रदर्शनी हीलिंग स्ट्रोक्स का शुभारंभ केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शनिवार को सुबह 11 बजे करेंगे। होटल ताज आमेर में जलरंगों से सजे कैनवास का यह प्रदर्शन 23 मार्च सांय 8 बजे तक रहेगा। पेशे से रेडियोलॉजिस्ट डॉ. सुषमा महाजन की चित्रकारी किसी विशेष शैली से सम्बद्ध नहीं है। उन्होंने मानव रचित और प्राकृतिक सुंदरता को बेहद खूबसूरती से अपने ब्रश के सहारे कैनवास पर उकेरा है। उनके चित्रों का आकर्षक और विविध संसार दर्शकों को उसी में खो जाने के लिए विवश करता है। वर्तमान प्रदर्शनी के खूबसूरत चित्रों की मुख्य विषयवस्तु मंदिर एवं आध्यात्म, प्रकृति एवं वन्य जीव, ऐतिहासिक वास्तुकला एवं कारें हैं। इस प्रदर्शन में शामिल कुल 46 कृतियां, में से 8 आध्यात्मिक रचनाएं हैं, जो मन को सुकून प्रदान करती है। संगीत वाद्यों के साथ भगवान गणेश, शिव और राधा कृष्ण का साक्षात एवं जीवंत रूप में चित्रण किया गया है।

राजस्थान भू राजस्व विधेयक प्रवर समिति को भेजा

जयपुर। राज्य विधानसभा में शुक्रवार को राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक विचारार्थ लाया गया।

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने बहस का जवाब देने के बाद बिल को सलेक्ट कमेटी को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस विधेयक को प्रवर समिति को भेजने की जगह जनमत जानने के लिए भेजने की मांग करते हुए डिवीजन की मांग की, लेकिन स्पीकर ने इसे मंजूर नहीं किया। कांग्रेस विधायकों ने इसके विरोध में सदन से वॉकआउट किया।कांग्रेस के वॉकआउट पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि इन्हें पता है कि आज इमरजेंसी पर चर्चा होने वाली है, इसलिए भाग गए। जिस पर बोलते हुए विपक्ष के विधायकों ने सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना की। हंगामे के बीच सरकार ने बिल को प्रवर समिति को भेज दिया। इससे पहले इस विधेयक पर बोलते हुए लैंड यूज का अधिकार रीको को देने की बात पर भरतपुर से विधायक सुभाष गर्ग ने कहा कि बड़े बड़े उद्योगपति सस्ते दामों पर जमीन लेते हैं।

ए.सी.बी. केस में पूर्व आई.ए.एस. पहाड़िया के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई रद्द

हाईकोर्ट ने सड़क निर्माण कंपनी से मासिक बंधी मांगने से जुड़े एसीबी केस में पहाडिया की आपराधिक याचिका को स्वीकार करते हुए आदेश दिए

जयपुर। हाईकोर्ट ने सड़क निर्माण कंपनी से मासिक बंधी मांगने से जुड़े एसीबी केस में अलवर कलेक्टर रहे पूर्व आईएएस नन्नूमल पहाडिया के खिलाफ एसीबी कोर्ट में चल रही कार्रवाई को रद्द कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश नन्नूमल पहाडिया की आपराधिक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि तथ्यों और साक्ष्य के आधार पर याचिकाकर्ता पर रिश्वत मांगने या लेने का आरोप साबित नहीं होता है। इसके अलावा याचिकाकर्ता के पास शिकायतकर्ता का कोई काम भी लंबित नहीं था। ट्रेप कार्रवाई में भी रुपए सह आरोपी अशोक सांखला के चालक नितिन शर्मा से बरामद हुए हैं। शिकायतकर्ता ने जब एसीबी में शिकायत दी थी, उससे पूर्व ही याचिकाकर्ता का अलवर कलेक्टर पद से तबादला कर उन्हें कार्यमुक्त किया जा चुका था। वहीं यदि एसीबी की कहानी पर एक क्षण के लिए विश्वास भी कर लिया जाए तो मामला ज्यादा से ज्यादा धोखाधड़ी का बनता है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जीएस राठौड़ ने अदालत को बताया कि केसीसी बिल्डकॉन प्रा. लि. के प्रतिनिधि इकबाल सिंह ने 22 अप्रैल, 2022 को एसीबी में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा कि उसकी कंपनी दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस वे ग्रीन फील्ड सड़क का निर्माण कर रही है। इसका काम सुचारू चलाने की एवज में अलवर कलेक्टर नन्नूमल पहाडिया मासिक चार लाख और भू प्रबंध अधिकारी अशोक सांखला मासिक पचास हजार रुपए रिश्वत मांग रहे हैं। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने सांखला के चालक नितिन शर्मा को ट्रेप किया था। इसके बाद याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि जिस दिन एसीबी में शिकायत दी गई, उस दिन याचिकाकर्ता कलेक्टर पद पर नहीं था। इसके अलावा उसके पास शिकायतकर्ता का कोई काम भी लंबित नहीं था। वहीं रोड निर्माण का काम का भी उसे सुपरविजन में नहीं था। याचिका में यह भी कहा गया कि शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ता के बीच हुई बातचीत में रिश्वत मांगने का कोई साक्ष्य नहीं था। ऐसे में मामले में की गई आपराधिक कार्रवाई को रद्द किया जाए। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि सह आरोपी सांखला ने याचिकाकर्ता के लिए रिश्वत ली थी और एसीबी ने आरोप प्रमाणित मानकर आरोप पत्र पेश किया है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

अदालत ने कहा कि कंपनी यदि कानूनी रूप से काम कर रही है तो उसे अफसरों से बिना काम संबंध रखने की जरूरत नहीं थी। सह आरोपी और पहाडिया के बीच बातचीत में रिश्वत का जिक्र नहीं। ट्रेप कार्रवाई पहाडिया से संबंधित नहीं, सह आरोपी के चालक से बरामदगी हुई। अभियोजन पक्ष पहाडिया की ओर से रिश्वत मांगने का ठोस साक्ष्य नहीं पेश कर सका। पहाडिया 13 अप्रैल, 2022 तबादला होकर 18 अप्रैल को कार्यमुक्त, जबकि शिकायत 22 अप्रैल की है। निचली अदालतों में मुकदमों का बोझ, झूठे मुकदमों से वास्तविक प्रकरणों की सुनवाई प्रभावित हो रही।

पूर्ण भव्यता से मनाया जाए राजस्थान दिवस : दिया कुमारी

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को पर्यटन भवन में पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में सामान्य समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने राजस्थान दिवस को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने इस सम्बन्ध में चर्चा कर अधिकारियों को सभी तरह की तैयारी मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही संस्कृति और परंपराओं के त्यौहार गणगौर को भव्यता से मनाने के भी निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ऐसा जल्द ही ऑनलाइन ऐप तैयार किया जाये, जिससे आने वाले पर्यटक ऐप के माध्यम से सभी तरह की पर्यटन सूचनाएं प्राप्त कर सके, साथ ही पर्यटन सम्बंधित मदद भी प्राप्त कर सके। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणाओं पर बिंदुवार चर्चा कर उनके क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्धता से पालना सुनिश्चित की जाए।

सामान्य समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार हेतु शुक्रवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जयपुर जिंदा बम मामले में बहस पूरी, फैसला 29 को

जयपुर। जयपुर बम ब्लास्ट मामलों की विशेष अदालत में 13 मई 2008 को शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद चांदपोल हनुमान मंदिर के बाहर मिले जिंदा बम मामले में राज्य सरकार व आरोपी पक्ष की बहस पूरी हो गई है। विशेष कोर्ट मामले में 29 मार्च को अपना फैसला देगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष अभियोजक श्रवण कुमार ने मामले के चार आरोपी शाहबाज हुसैन, सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ व सैफुर्रहमान के खिलाफ 112 गवाहों के बयान दर्ज कराए हैं। वहीं करीब 1200 दस्तावेजों को प्रदर्शित करवाया है। आरोपियों के अधिवक्ता मिनहाजुल हक ने बताया कि बचाव पक्ष की ओर से कोई भी गवाह के बयान दर्ज नहीं कराए। बचाव पक्ष ने 122 दस्तावेजों को प्रदर्शित करवाया है। आरोपी पक्ष की ओर से अपनी बहस में कहा गया कि इस मामले और पूर्व में जयपुर बम ब्लास्ट केस के तथ्य समान हैं। इन्हीं समान तथ्यों पर हाईकोर्ट आरोपियों को बरी कर चुका है। इस मामले में अभियोजन पक्ष यह भी पता नहीं कर पाया है कि साइकिल किसने रखी थी। वहीं चांदपोल गेट के बाहर किसी आरोपी की निशानदेही भी साबित नहीं हो पाई है। इसलिए आरोपियों को दोषमुक्त किया जाए। गौरतलब है कि जयपुर बम ब्लास्ट केस में हाईकोर्ट ने 29 मार्च 2023 को चार आरोपियों मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान, सरवर आजमी व एक अन्य को दोषमुक्त कर दिया था। जिंदा बम मामले में एटीएस ने पूर्व एडीजी अरविन्द कुमार जैन व मीडियाकर्मी प्रशांत टंडन सहित साइकिल कसने वाले दिनेश महावर को गवाह बनाया था।

एलआईसी एजेंटों ने राहुल गांधी से मुलाकात की

जयपुर। एलआईसी एजेंटों ने केंद्रीय प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और कई मुद्दे उठाये।

एलआईसी के सीईओ एवं एमडी सिद्धार्थ महान्ति ने कहा कि हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि एलआईसी द्वारा ऐसे उत्पाद प्रस्तुत किये गये है जो इरडा द्वारा निर्धारित नये उत्पाद विनियमों के अनुरूप हैं जिसमें पॉलिसीधारकों के हितों को सर्वोपरि रखा गया है।

उन्होंने कहा कि एलआईसी जीवन बीमा कवरेज को व्यापक बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य हर बीमा योग्य व्यक्ति को सस्ती कीमत पर वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है। उत्पाद विनियमों में बदलाव के बाद भी एजेंटों के लिये कमीशन कम नहीं किया गया है।

विभागीय कर्मचारियों के लिए सुरक्षित पदों में आरक्षण नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2023 में सहकारिता विभाग के कर्मचारियों के लिए सुरक्षित रखे गए पदों में आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को आरक्षण का लाभ नहीं देने पर राज्य सरकार और आरपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती में याचिकाकर्ताओं के हित सुरक्षित रखने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश रोहित कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

■ **अदालत ने भर्ती में याचिकाकर्ताओं के हित सुरक्षित रखने को कहा है**

याचिका में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि आरएएस एवं अधीनस्थ संयुक्त भर्ती परीक्षा के तहत सहकारिता विभाग में निरीक्षक ग्रेड द्वितीय के पदों पर भर्ती की जाती है। साल 2023 की इस भर्ती में निरीक्षक ग्रेड द्वितीय के कुल पदों में से 24 पद सहकारिता विभाग के अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए आरक्षित रखे गए। आरपीएससी की ओर से भर्ती की मुख्य परीक्षा का परिणाम जारी करते समय विभागीय पदों पर केवल मात्र सामान्य कट ऑफ जारी की गई। परीक्षा में भाग ले रहे विभाग के आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों के लिए अलग से कट ऑफ जारी नहीं की गई। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता आरक्षित वर्ग के कर्मचारी हैं, लेकिन आयोग ने सामान्य कट ऑफ जारी कर उन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित कर दिया। जबकि विभागीय कोटे के अलावा अन्य पदों के लिए वर्गवार कट ऑफ जारी कर आरक्षण का लाभ दिया गया। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नित में भी आरक्षण का लाभ दिया जाता है। ऐसे में उन्हें विभागीय पदों पर भी तय मापदंड के अनुसार आरक्षण लेने का अधिकार है। इसलिए भर्ती में उनके लिए भी विभागीय पदों में से पद आरक्षित रखे जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ताओं के हित सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं।

संस्कृत और शास्त्रों से होगा भारत का उत्थान : धामी

हरिद्वार। हमारे शास्त्र केवल ग्रंथ नहीं,बल्कि संपूर्ण सृष्टि के रहस्यों को जानने का माध्यम हैं। भारतीय शास्त्रों और ग्रंथों में ऐसे अद्भुत सूत्र निहित हैं,जो आधुनिक ज्ञान-विज्ञान में परिलक्षित होते हैं। उक्त उद्गार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पतंजलि विश्वविद्यालयमें आयोजित 62वीं अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव स्पर्धा के समापन समारोह में व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का आधार हमारे प्राचीन शास्त्र हैं, जिनमें विज्ञान, योग, चिकित्सा, गणित और दर्शन के गूढ़ रहस्य समाहित हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ऋषि-मुनियों द्वारा किए गए अनुसंधानों को केवल विरासत के रूप में संरक्षित करने के बजाय, उसे आगे बढ़ाना और आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जैसे अद्वैत वेदांत का गूढ़ ज्ञान पूरे भारत में फैला,वैसे ही इस शास्त्रोत्सव के माध्यम से संस्कृत और शास्त्रों के गूढ़ रहस्य पूरे देश और वैश्विक स्तर पर फैले। उन्होंने कहा कि वेदों और शास्त्रों को व्यवहारिक रूप से प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य किया जाना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ी में इनके प्रति रुचि और आस्था विकसित हो।

उत्तराखंड की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पतंजलि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण मौजूद थे।

इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है,बल्कि यह पूरे विश्व में किसी भी क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने की सामर्थ्य रखती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सनातन धर्म और भारतीय प्राचीन शास्त्रों में विश्व के सभी ज्ञान-विधाओं का समावेश है। स्वामी रामदेव ने अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव को संस्कृत और संस्कृति का संगम बताते हुए कहा कि सभी मूल भाषाएँ संस्कृत से उत्पन्न हुई हैं,और इस पर हम सभी को गर्व होना चाहिए।

■ **संस्कृत केवल भाषा नहीं, अपितु विश्व नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम : स्वामी रामदेव**

■ **संस्कृत तीर्थ और संस्कृति का गौरव : आचार्य बालकृष्ण**

उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को पुन: स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने संस्कृत को तीर्थ और संस्कृति का गौरव बताते हुए जीवन में प्राचीन भारतीय शास्त्रों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्कृत और भारतीय ज्ञान परंपरा को जीवन की उन्नित का मार्गदर्शक बताया। आचार्य ने देशभर से आए विद्वानों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और सनातन परंपरा के अनुयायियों को दिशा-निर्देश दिए कि वेद और शास्त्रों के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के लिए सतत प्रयास करते रहें।

वन विभाग को इलेक्ट्रिक गोल्फ भेंट

जयपुर। पावरग्रिड ने वन विभाग, राजस्थान सरकार को इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट की आपूर्ति की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित एक भव्य समारोह में वन विभाग को पावरग्रिड द्वारा आपूर्ति की गई 14-सीटर इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट को हरी झंडी दिखाई। ये गोल्फ कार्ट 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर मुख्यमंत्री राजस्थान की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह में वन विभाग को सौंपे गए। यह सीएसआर पहल न केवल पर्यावरण स्थिरता में मदद करेगी बल्कि राष्ट्रीय उद्यान में आने वाले आम लोगों की सुविधा भी सुनिश्चित करेगी। पावरग्रिड भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तत्वावधान में एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम है। पावरग्रिड राजस्थान राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है और विभिन्न ट्रांसमिशन परियोजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं और कई कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में, पावरग्रिड विभिन्न सीएसआर पहलों के माध्यम से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

छत्तीसगढ़ स्थित परसा खदान से कोयले का खनन शुरू

जयपुर। राज्य के विद्युत गृहों को कोयले की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देशन में ऊर्जा विभाग द्वारा किए जा रहे सतत् प्रयासों को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ स्थित परसा खदान से मार्च 2025 से कोयले का खनन शुरू हो गया है।

■ **राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से विद्युत गृहों को कोयले की पर्याप्त उपलब्धता : नागर**

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम को 4340 मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत गृहों के लिए छत्तीसगढ़ में तीन कोयला खदान परसा ईस्ट एवं कांता बासन (पीईकेबी), परसा एवं केंटे एक्सटेंशन आवंटित की हुई हैं। अब तक पीईकेबी खदान से कोयले की निरन्तर आपूर्ति हो रही थी। अब इसी दिशा में परसा खदान से भी खनन प्रारंभ कर दिया गया है। इस प्रकार अब तीन कैप्टिव कोल ब्लॉकों में से 2 कोल ब्लॉक से कोयले का खनन किया जा रहा है। जिनसे उत्पादन निगम के तापीय विद्युत गृहों को फिलहाल प्रतिदिन लगभग 13 कोल रैक प्राप्त हो रही हैं, जिन्हें निकट भविष्य में बढ़ाकर 14 रैक प्रतिदिन किया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि प्रदेश के विद्युतगृहों के लिए कोयले की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए राज्य सरकार आने वाले दिनों में सरगुजा जिले में आवंटित खदान केंटे एक्सटेंशन से भी खनन प्रारंभ करने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देशन में छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग तथा केंद्र सरकार के समन्वय से केंटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक भी विकास की दिशा में अग्रसर है और निकट भविष्य में यहां से भी कोयला मिलने लगेगा।

युवक का अपहरण और मारपीट कर फिरौती मांगने के आरोप में चार गिरफ्तार

दिल्ली से भीलवाड़ा लौट रहे युवक का अपहरण कर जंगल में मारपीट कर फिरौती मांगी थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की करेड़ा थाना पुलिस ने दिल्ली से भीलवाड़ा लौट रहे एक युवक का अपहरण कर लेने और जंगल में ले जाकर उसके साथ मारपीट कर फिरौती की मांग करने के मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

करेड़ा पुलिस के अनुसार, बड़लियास थाने के रेण गांव निवासी सुनीलनाथ (21) पुत्र सोनाथ योगी ने 13 मार्च को करेड़ा थाने पर रिपोर्ट दी कि गत 22 फरवरी को वह दिल्ली से भीलवाड़ा आ रहा था। इस दौरान उसका अपहरण कर लिया गया। अपहरण, उसी के दोस्त खाखरिया खेड़ा, करेड़ा निवासी ईश्वरनाथ पुत्र लादूनाथ योगी व उसके साथियों ने मिलकर किया। ये लोग फिरौती की मांग करते हुये उसे जंगल में ले गये और मारपीट कर रंगदारी वसूल की। इस रिपोर्ट पर करेड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने इस मामले में कार्रवाई के लिए एएसपी सहाड़ा रोशन पटेल के निर्देशन, डीएसपी आसींद ओमप्रकाश के सुपरविजन और करेड़ा थाना प्रभारी पूरणमल मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया।

टीम ने अथक प्रयास करते हुये सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुये तफ्तीश कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इन आरोपितों में संतोषी माता मंदिर के पास पुर निवासी चेतन शर्मा (21) पुत्र लक्ष्मण शर्मा, खाखरिया खेड़ा निवासी ईश्वरनाथ (32) पुत्र लादूनाथ योगी, करेड़ा निवासी विजय प्रकाश पुत्र जगदीश चन्द्र औझा व रलायता, गोरधपुरा, करेड़ा निवासी सुरेशनाथ (21) पुत्र लच्छु उर्फ लक्ष्मणनाथ योगी शामिल थे।

करेड़ा थाना पुलिस ने अपहरण और फिरौती मांगने के आरोप में चार जनों को गिरफ्तार किया।

- पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुये जांच कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

डंपर के टायर व अन्य सामान चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

मेहाड़ा पुलिस ने चोरी के मामले में तीन जनों को पकड़ा।

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा पुलिस ने डंपर के टायर सहित अन्य सामान चोरी का शुक्रवार को खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुराया गया सामान बरामद किया है।

थानाधिकारी भजनाराम ने बताया कि 11 मार्च मुकेश कुमार जाट गांव माईवाला जिला चरखी दादरी हरियाणा ने मामला दर्ज करवाया था कि उसकी गाड़ी जो कि ड्राईवर को चलाने के लिए दे रखी थी। डस्ट सप्लाई के लिए जो कि ड्राईवर उसकी गाड़ी में से 8 टायर और जैक, 20 हजार रुपए का डीजल बेच कर फरार हो गया और गाड़ी में कागज भी नहीं मिले। इस दौरान गाड़ी का पता किया तो गाड़ी नीमकाथाना रोड़ देवनारायण सावडी होटल के नजदीक मिली। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी भजनाराम के नेतृत्व मे चोरी की घटना की गंभीरता लेते हुए आरोपियों की तलाश में टीम गठित की गई। टीम द्वारा आरोपियों की तलाश में संभावित स्थानों पर की गई एवं टीम द्वारा आरोपी का लगातार पिछाकर घटना में शामिल मुख्य आरोपी गुरूसाबसिंह को अमृतसर (पंजाब) से दस्तयाब कर बाद पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। इसके अलावा वारदात में शामिल आरोपी मोड़ी निवासी जयदयाल, टीबा निवासी ईश्वरसिंह को गिरफ्तार कर डंफर के चोरी किए गए सात टायर, जैक व जैक राड बरामद कर लिए। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी भजनाराम, एएसआई पतराम, कांस्टेबल रोहिताश आदि शामिल थे।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चुराया गया सामान बरामद किया

2.4 लाख रुपये की रिश्वत के लेन-देन में दो अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2.4 लाख रुपये की रिश्वत का लेन-देन होते ही पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक और एक निजी कंपनी के उप महाप्रबंधक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सीबीआई ने पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के वरिष्ठ महाप्रबंधक और मुंबई स्थित एक निजी कंपनी के उप महाप्रबंधक सहित दो आरोपियों को 2.4 लाख रुपये की रिश्वत का लेन-देन होते ही गिरफ्तार किया है। जो निजी कंपनी के आरोपी उप महाप्रबंधक की ओर से वरिष्ठ महाप्रबंधक को दी गई थी। यह रिश्वत कथित तौर पर निजी कंपनी को दी गई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की संविदा से संबंधित बिलों के प्रसंस्करण और पास करने में अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए दी गई थी। सीबीआई ने अजमेर में पदस्थ पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक मुम्बई स्थित एक निजी कम्पनी, उक्त निजी कम्पनी के चार प्रतिनिधियों तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित छह आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया था। आरोप था कि पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का आरोपी लोक सेवक, अवैध परितोषण के बदले में निजी कम्पनी के आरोपी प्रतिनिधियों के साथ मिलीभगत कर आरोपी निजी कम्पनी को दी गई पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की संविदा से संबंधित बिलों के प्रसंस्करण तथा उन्हें पास करने में अनुचित लाभ पहुंचा रहा था। यह भी आरोप था कि परस्पर बातचीत होने के बाद, निजी कम्पनी के आरोपी प्रतिनिधि ने रिश्वत की राशि देने के लिए सीकर में एक निश्चित स्थान पर आरोपी लोक सेवक से मिलने का निर्णय लिया। सीबीआई ने जाल बिछाया तथा निजी कम्पनी के आरोपी प्रतिनिधि (डीजीएम) से 2.4 लाख रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार करते ही पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के आरोपी वरिष्ठ महाप्रबंधक को रंगे हाथों पकड़ लिया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा सीकर, जयपुर और मोहाली में आरोपियों के आवासीय और आधिकारिक परिसरों में सीबीआई द्वारा तलाशी ली जा रही है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत बहरावंडा कला पुलिस थाने की टीम द्वारा अवैध शराब के 576 पव्वों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सुमेर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल हेड कांस्टेबल मदनलाल, कांस्टेबल मुकेश कुमार, महावीर व चंद्रमोहन की टीम ने मुखबिर की सूचना पर करीला मोड़ के सामने कच्चे रास्ते पर तीन लोग प्लास्टिक के पांच कट्टे लेकर खड़े नजर आए, पुलिस वाहन टीम को देखकर एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम ने दो लोगों को घेरा देकर पकड़ा, जिसमें रामलखन बैरवा व सूरज बैरवा निवासी बाजोली थाना बहरावंडा कला को पकड़कर तलाशी ली गई तो कट्टों में 12 कार्टून अवैध देशी शराब के मिले।

नाबालिग छोटी बहन से दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी दी

- एमडी के नशे में दुष्कर्म करने व घर वालों को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप
- पीड़िता ने जीजा को आपबीती बताई, मकराना थाना में मामला दर्ज करवाया

मकराना, (निसं)। नशेड़ी भाई द्वारा 15 वर्षीय बहन के साथ एमडी के नशे में दुष्कर्म करने व घर वालों को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। अब पीड़िता के जीजा ने मकराना थाना में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

परिवादी ने बताया कि वर्ष 2020 में उसका विवाह हुआ था। उसकी सबसे छोटी साली 15 वर्ष की है। कुछ दिनों पूर्व उसके पास साली का फोन आया। उसने रोते-रोते हुए बताया कि उसका बड़ा भाई नशा करता है और उसके साथ दुष्कर्म किया है। जिस पर परिवादी ने साली से कहा कि अपने माता-पिता को बताए तो उसने बताया कि पिता खुद शराब के नशे में रहते हैं तथा माता, बड़ी बहन व बड़े जीजा उसके भाई का ही साथ दे रहे हैं। उन्होंने उसे घर में बंधक बना रखा है और मारपीट कर रहे हैं। उसकी पढ़ई भी छुड़वा दी है और उससे कहा कि किसी को बताया तो जान से मार देंगे। पीड़िता ने बताया कि परिजन उसे दूसरे राज्य में किसी रिश्तेदार के ले जाकर जान से मारने का प्लान बना रहे हैं। उसने बताया कि उसका भाई एमडी का नशा करता है और रोज उससे शारीरिक संबंध बनाता है। परिवादी ने बताया कि सच्चाई जानने के लिए उसने अपने साले और ससुराल वालों को बुलाया तो उन्होंने माफी मांगी और आइंदा ऐसा नहीं करने की बात कही थी, जिस पर उसने कुचामन पुलिस को बुलाया। पुलिस दोनों को पकड़कर ले गई और छोड़ दिया। अब उसकी साली का पुन: फोन आया और उसने कहा कि उसकी हत्या कभी भी हो सकती हैं। पुलिस ने पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करंट से विदेशी कुरजां घायल

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के सम इलाके के केशुओं की बस्ती गांव की सरहद में एक घायल विदेशी कुरजां पक्षी मिला। पर्यावरण प्रेमी राधेश्याम विश्नोई व सुमेरसिंह ने वन विभाग की टीम को जानकारी देकर मौके पर भेजा। वन विभाग की टीम ने घायल कुरजां पक्षी का रेस्क्यू किया। अब वन विभाग की टीम पक्षी का इलाज करवाकर जंगल में सुरक्षित छोड़ेगी। बताया जा रहा है कि इलाके से गुजर रही बिजली की हाईटेंशन लाइनों से टकराकर कुरजां पक्षी घायल हुआ है। वन्य जीव प्रेमी सुमेरसिंह भाटी ने बताया कि कुरजां पक्षी के अपने वतन लौटने के दिन हैं और उससे पहले कुरजां पक्षी के घायल होने से सभी पक्षीप्रेमी दुखी है। सुमेरसिंह ने बताया कि इस इलाके में राज्य एवं केंद्र सरकार को विद्युत उत्पादन वाली तारों को अंडरग्राऊंड करवाना चाहिए।

नर्सिंग छात्र ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में स्थित नर्सिंग छात्र ने हॉस्टल में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटडा हॉल उमरड़ा स्थित अरावली नर्सिंग कॉलेज में जीएनएम तृतीय वर्ष के छात्र उत्तम प्रजापत (21) ने अपने हॉस्टल के कमरे में शुक्रवार को फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई अरविन्दसिंह के नेतृत्व में हेडकांस्टेबल महावीरसिंह ने मौके पर पहुंच कर उसे निचे उतार कर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस पर एएसआई ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

चार किलो अवैध अफीम के साथ एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। अधिक्षक (निवारक) उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय, कोटा की ओर से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) राजस्थान के उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा नरेश बुन्देल के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत 20 मार्च को सीबीएन को एक ओर सफलता प्राप्त हुई है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) राजस्थान के उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा नरेश बुन्देल ने बताया कि मादक पदार्थ विरोधी अभियान जारी रखते हुए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) चित्तौडगढ़ के अधिकारियों ने 4.260 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की एवं एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों ने चित्तौडगढ़-उदयपुर राजमार्ग तहसील डूंगला और जिला चित्तौड़गढ़ पर एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और उसके सवार को रोका और 4.260 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। सीबीएन को एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति राजस्थान के पंजीकरण वाली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल का उपयोग करके चित्तौड़गढ़-उदयपुर पर मार्ग पर अवैध अफीम की तस्करी करेगा, सीबीएन चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की एक टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और उक्त वाहन की पहचान की। सीबीएन के अधिकारियों ने उक्त वाहन और उसके सवार को रोका और 4.260 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की और वाहन को जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, तीन गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के द्वारा चलाये जा रहे जिले में अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम के तहत अरविन्द कुमार वृताधिकारी पीपलू एवं थानाधिकारी पीपलू उदयवीर सिंह के नेतृत्व में गठित थाना टीम व डीएसटी टीम की संयुक्त कार्यवाही में अवैध बजरी खनन व परिवहन के तहत कार्यवाही करते अवैध बजरी परिवहन करते हुये चार ट्रैक्टर मय ट्रॉली अवैध बजरी से भरी हुई को जब्त किया गया। कार्यवाही के दौरान तीन वाहन चालकों को गिरफ्तार किया गया तथा एक आरोपी ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

यूडीए ने तीन दुकान और एक बिल्डिंग को ध्वस्त किया

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने शुक्रवार को बडगांव में 60 फीट रोड की सीमा में आ रहे निर्माणों को तोड़ा है, जिसके तहत तीन दुकानों और एक बड़ी बिल्डिंग को ध्वस्त किया गया।

यूडीए कमिश्नर राहुल जैन के अनुसार यूडीए की टीम ने बड़गांव सड़क सीमा में आ रही दो दुकानों को तोड़ने के बाद एक कई मंजिला भवन को तोड़ा गया। टीम ने इसके साथ ही उसके वहां से भराव हटाने काम का शुरू किया। बड़गांव में अब इस रोड पर दो मकान और छोटे-बडे टीन शेड बचे हैं,जिनको ध्वस्त किया जाएगा। इसके बाद इस 60 फीट सड़क के अवरोधक हटाए जाएंगे। जैन ने बताया कि बडगांव मुख्य मार्ग को साल 2022 में 60 फीट चौड़ा करने का प्रस्ताव पास हुआ था और उसके बाद वहां काम शुरू कर दिया गया था और कुछ मकान मालिकों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था और कोर्ट में मामला चला गया और तब से मामला अटका गया था। यूडीए को इन मकान मालिकों की सहमति मिलने के बाद अब यहां ये निर्माण तोड़ते हुए कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पटवारी सुरपाल सिंह सोलंकी के साथ होमगार्ड आदि मौजूद थे।

पाम ऑयल और नारियल तेल नष्ट कराया

भीलवाड़ा, (निसं)। "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान" के तहत चिकित्सा विभाग की टीम ने 100 लीटर पाम ऑयल और 45 किलो नारियल तेल को नष्ट करवा दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने शारदा चौराहा स्थित मैसर्स बालाजी डेयरी से पनीर का नमूना लिया। साथ ही अवधिपार पाई गई पांच किलो सोन पापडी को जनहित में नष्ट कराया गया। बड़ी पुलिया स्थित मैसर्स सोठानी ब्रदर्स से घी (ब्राण्ड प्रभात डेयरी) का नमूना लिया गया। इसके साथ ही अवधिपार 100 लीटर पाम ऑयल व 45 किग्रा नारियल तेल नष्ट कराया।

काछोला पंचायत में बेशकीमती आबादी भूमि में नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने का आरोप

ग्रामीणों ने सरपंच व विडिओ पर चारागाह और सड़क किनारे आबादी भूमि पर लाखों की राशि लेकर पुश्तैनी पट्टा बनाने का आरोप लगाया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड के काछोला ग्राम पंचायत में बेशकीमती आबादी के नियम विरुद्ध बनाए जा रहे भूखण्ड पट्टों की जांच को लेकर ग्रामीणों ने काछोला उपतहसील कार्यालय पर प्रदर्शन कर नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। वहीं ग्रामीणों ने विकास अधिकारी मांडलगढ़ को भी शिकायत कर उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों द्वारा नायब तहसीलदार और विकास अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि काछोला पंचायत के सरपंच रामपाल बलाई व ग्राम विकास अधिकारी ने अपने कार्यकाल के दौरान काछोला गांव की बेशकीमती रिक्त पड़ी आबादी भूमि में नियम विरुद्ध अपात्र सैकड़ों लोगों को पुश्तैनी पट्टे जारी कर दिए। पट्टे जारी करने के दौरान सरपंच और विडिओ दलालों के मार्फ़त निजी तौर पर मोटी राशि लेकर पट्टे दे रहे हैं, पट्टाधारियों द्वारा उन्ही पट्टों को 10 से 15 लाख की राशि लेकर बेचा जा रहा है।

ज्ञापन में बताया कि चारागाह भूमि को भी आबादी की बताकर नियम विरुद्ध पट्टे बनाए जा रहे हैं। वहीं काछोला के मानपुरा रोड़ पर एक निजी कॉलोनी से सटी ग्राम पंचायत की करोड़ों की आबादी भूमि को भूमाफिया गिरोह के हाथों में सौंपने की जानकारी निकल कर आ रही है। ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत में दलालों के मार्फ़त पट्टा बनाने और अनियमितता की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग ग्रामीणों ने की है। गौरतलब है कि विधायक गोपाल खण्डेलवाल की शिकायत पर काछोला पंचायत में पूर्व सरपंच प्रहलाद नट द्वारा करीब 50-60 नियम विरुद्ध पट्टे जारी किए थे, जिनकी निगरानी कार्रवाई न्यायालय में आज भी विचाराधीन है। इस मामले में सम्भागीय आयुक्त द्वारा पूर्व सरपंच नट को अयोग्य घोषित करने की कार्रवाई चल रही है।

ज्ञापन देने में काछोला उप सरपंच देवीलाल माली, नंदलाल शर्मा, पंचायत समिति प्रतिनिधि श्याम लाल आचार्य, दुर्गाशंकर आचार्य, ओमप्रकाश योगी, बृजेंद्रसिंह सोलंकी, कैलाश गगरानी, राजेश लड्ढा, सहित आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

काछोला नायब तहसीलदार कैलाश चन्द्र मीणा का कहना है कि काछोला के ग्रामीणों द्वारा नियम विरुद्ध बनाए जा रहे पट्टे के मामले की जांच का ज्ञापन दिया है, ज्ञापन की जांच कार्रवाई के लिए मांडलगढ़ विकास अधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

संगीता व्यास विकास अधिकारी मांडलगढ़ पंचायत समिति का कहना है कि काछोला के ग्रामीणों ने सरपंच और विडिओ के ख़िलाफ़ नियम विरुद्ध भुखड्डों के पट्टे जारी करने का ज्ञापन दिया है, इस मामले में एक कमेटी का गठन कर जांच कराई जा रही है, जांच में शिकायत सही पाए जाने पर दोषियों के ख़िलाफ़ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

काछोला ग्राम पंचायत सरपंच और सचिव ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में लगाए गए आरोप निराधार हैं और पात्र लोगों को नियमानुसार भूखंडों के पट्टे जारी किए जा रहे हैं।

काछोला ग्राम पंचायत में नियम विरुद्ध बनाए गए पट्टों की जांच की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मांडलगढ़ बीडीओ को ज्ञापन दिया।

- ग्रामीणों ने काछोला उपतहसील कार्यालय पर प्रदर्शन कर उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

हत्या का प्रयास करने के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। ग्राम कोरसीना में वन विभाग की पहाड़ी पर पेड़ों की अवैध कटाई व खनन कार्य को रोकने से मना करने पर प्राणघातक हमला कर फरार हुए आरोपी को सांभर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी राजेंद्र यादव ने बताया है कि इस मामले में श्रवण लाल पुत्र रतनाराम गुर्जर निवासी नाका की ढाणी कोरसीना थाना सांभरलेक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह ग्राम कोरसीना में वन विभाग की पहाड़ी की देखरेख करता था। आरोपी मेहराज पहाड़ी से अवैध रूप से पेड़ों की कटाई व पत्थरों का खनन करता था। जब परिवादी ने आरोपी को इस संबंध में मना किया तो अभियुक्त मेहराज गुर्जर व इसके अन्य साथियों ने परिवादी को लोहे की सब्बल (रॉड) से सिर पर वार कर घायल कर दिया, जिससे परिवादी गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रकरण में आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था। जिसकी शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा के निर्देशन में वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी सांभरलेक राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा गंभीर मारपीट कर हत्या करने का प्रयास करने वाले फरार आरोपी मेहराम गुर्जर निवासी नाका की ढाणी कोरसीना पुलिस थाना सांभरलेक को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही से घटना में प्रयुक्त हथियार लोहे का संबल (रोड़) को जप्त किया गया है।

युवक ने की आत्महत्या : उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बामाता थाना क्षेत्र नीमच माता स्कीम देवाली निवासी नरेन्द्र कुमार पुत्र पृथ्वीराज मेघवाल ने शुक्रवार दोपहर में अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। नरेन्द्र सवेरे कमरें में गया था दोपहर में घर आई पत्नी ने आवाज लगाई लेकिन जवाब नहीं मिलने पर किवाड़ तोड़कर देखा तो वह फंदे पर लटका हुआ था। इस पर उसे निचे उतार चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर एएसआई शिवदत्तसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

- आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार लोहे की रॉड जब्त की
- पेड़ों की कटाई व खनन कार्य रोकने पर हमला किया था

पुलिस ने प्राणघातक हमले के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

मेरा नाम एक्ट्रेस माहिरा खान के साथ जोड़ा जा रहा है। हम दोनों के बीच लिंकअप की अफवाहें जोरों पर हैं।

- मोहम्मद सिराज

भारतीय गेंदबाज, डेटिंग की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आमिर मीर

आमिर मीर ने कहा कि टूर्नामेंट के सभी खर्च आईसीसी द्वारा वहन किए गए थे। पीसीबी ने गेट मनी और टिकट बिक्री से राजस्व अर्जित किया। इसके अतिरिक्त, ऑडिट के बाद, हमें आईसीसी से 3 बिलियन रुपये और मिलने की उम्मीद है। पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर और मुख्य वित्तीय अधिकारी जावेद मुर्तजा ने उन रिपोर्टों के बाद मीडिया को संबोधित किया, जिनमें कहा गया था कि बोर्ड को वनडे टूर्नामेंट की मेजबानी करने और इस आयोजन के लिए कराची, लाहौर और रावलपिंडी में स्टेडियमों के अपठोड करने पर भारी मात्रा में खर्च करने से वित्तीय नुकसान हुआ है।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डो सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी हैं, जिनके नाम 217 मैचों में 135 गोल हैं।

केकेआर, आरसीबी के खिलाफ जीत के साथ आगाज करने का करेगा प्रयास

कोलकाता, 21 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 18वां सीजन का आगाज शनिवार को ईडन गार्डन स्टेडियम में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले के साथ शुरू होगा। जहां केकेआर आरसीबी के खिलाफ जीत से साथ आगाज करने का प्रयास करेगा।

तीन बार के आईपीएल खिताब के विजेता केकेआर टीम की अगुवाई कर रहे अजिंक्य रहाणे खिताब को बरकरार रखने के लिए पुरजोर कोशिश करेंगे। उनकी टीम में बल्लेबाजी लाइनअप बहुत मजबूत है, जिसमें अनुभवी सुनील नरेन शीर्ष पर और क्विंटन डी कॉक के साथ अपने शानदार फॉर्म को जारी रखने की उम्मीद कर रहे हैं। रहाणे और वेंकटेश अय्यर मध्य क्रम में टीम को स्थिरता प्रदान करेंगे, जबकि टीम में मैच फिनिशर रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल और रमनदीप सिंह डेथ ओवरों में अहम भूमिका निभाएंगे।

दक्षिण अफ्रीकी तेज़ गेंदबाज़ एनरिक नोर्त्जे की अगुआई में गेंदबाजी आक्रमण में हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती के कंधों में होगी। केकेआर के स्पिन गेंदबाजों की मजबूती टीम की ताकत को दर्शाता है, जिसमें नरेन और चक्रवर्ती से ईडन गार्डन्स के मैदान पर अपना जादू बिखेर सकते हैं।

इस बीच, आरसीबी की कमान रजत पाटीदार के हाथों में होगी। जो अभी भी अपने पहले आईपीएल जीत की तलाश में है। बेंगलुरु स्थित यह फ्रैंचाइज़ अपनी पारी को आगे बढ़ाने के लिए विराट कोहली, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन और पाटीदार की बल्लेबाजी पर निर्भर करेगी। पिछले सीजन में 741 रन बनाने वाले कोहली अपनी बल्लेबाजी से दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं।

आरसीबी के ऑलराउंडरों में शुमार क्रुणाल पंड्या, जैकब बेथेल और टिम डेविड अपने दोनों विभागों में बेहतर प्रदर्शनों के लिए जाने जाते है। इसके अलावा जोश हेज़लवुड और भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल करने से आरसीबी की तेज गेंदबाजी की धार और भी पैनी हो गयी है, जो आईपीएल की शुरुआती मैच में केकेआर की विस्फोटक बल्लेबाजी लाइनअप पर अंकुश लगाने का भरसक प्रयास करेंगे। हालांकि, एक अनुभवी फ्रंटलाइन स्पिनर की अनुपस्थिति मेहमानों के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकती है।

केकेआर वर्सेस आरसीबी मुकाबले में बारिश डालेगी खलल

कोलकाता, 21 मार्च। 22 मार्च से आईपीएल के 18वें सीजन का आगाज होने जा रहा है। इस सीजन की ओपनिंग सेरेमनी भी कल यानी शनिवार को ही होगी। इस मैच में धमाकेदार चौके और छक्के लगने की उम्मीदों को झटका लग सकता है, क्योंकि कोलकाता शहर में 22 मार्च, शनिवार को भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 22 मार्च तक कोलकाता में आंधी, बिजली और बारिश की भविष्यवाणी की है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक एंटीसाइक्लोनिक सर्कुलेशन है, इसके कारण मैच रद्द हो सकता है। आईएमडी ने कहा कि, मध्य ओडिशा से विदर्भ तक एक ट्रफ रेखा बनी हुई है, और निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर बंगाल की खाड़ी के ऊपर उपरोक्त ट्रफ और प्रतिचक्रवाती परिसंचरण के कारण पूर्व और समीपवर्ती मध्य भारत में हवा का संगम हो रहा है। 20 और 21 मार्च को उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की या मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

कोलकाता में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने 20 मार्च से 22 मार्च तक प्रभावी पश्चिम बंगाल के कुछ क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की है। क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने कहा कि, 20 से 22 मार्च 2025 तक पश्चिम बंगाल के जिलों में गरज के साथ बारिश की गतिविधि हो सकती है। निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर बंगाल की खाड़ी से अनुकूल हवा के पैटर्न और मजबूत नमी के प्रवेश के कारण 20-22 मार्च के दौरान पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। बता दें कि, आईपीएल 2025 सीजन का पहला मैच दोनों टीमों के लिए अहम होगा, हालांकि, दोनों ही टीमें नए नेतृत्व के अधीन होंगी।

रजत पाटीदार को आरसीबी का कप्तान बनाया गया है जबकि अजिंक्य रहाणे को श्रेयस अय्यर की जगह कप्तानी सौंपी गई है। वहीं पिछले सीजन की बात करें तो आरसीबी ने पिछले सीजन का समापन चौथे स्थान पर किया था। वह एलिमिनेटर मैच से बाहर हो गई थी। जबकि केकेआर ने 2022 और 2023 में अपने निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर आईपीएल 2024 का खिताब अपने सिर सजाया।

तमिलनाडु के रमेश शंगुमन ने एथलेटिक्स में जीता पहला स्वर्ण

नई दिल्ली, 21 मार्च। तमिलनाडु के रमेश शंगुमन ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के दूसरे दिन शुक्रवार को पुरुषों की 800 मीटर टी53/टी54 स्पर्धा में पहला स्वर्ण जीता। आज यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपनी जीत को लेकर साई मीडिया से बातचीत में शंगुमन ने कहा, मैंने अपने जीवन में बहुत संघर्षों का सामना किया है। मुझे कुछ हासिल करना है। हर दिन बस आता है और चला जाता है। लेकिन मुझे अपना नाम बनाने की इच्छा थी। मुझे खुद को साबित करना है। मैं हर दिन खुद को प्रेरित करता हूं। अब मेरे माता-पिता बहुत खुश हैं। 2023 में पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में मैंने कांस्य पदक जीता था लेकिन इस बार मैंने स्वर्ण पदक जीता। मेरा परिवार मेरा बहुत बड़ा सहारा है। उनके बिना, मैं पदक विजेता नहीं बन पाता। उधर, इंदिरा गांधी स्टेडियम में पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता के दूसरे दिन को पेरिस पैरालिंपियन नितेश कुमार और टोक्यो पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर जैसे खिलाड़ियों ने अपना दबदबा दिखाते हुए कुछ रोमांचक मुकाबले खेले। पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नितेश कुमार ने अपने वर्ग में फाइनल में जगह बनाई, जबकि कृष्णा नागर ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता के अन्य शीर्ष नाम नित्या श्री और पलाल कोहली भी अपने-अपने वर्गों में आगे बढ़े।

मध्य प्रदेश, हरियाणा और मिजोरम ने राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग में जीत दर्ज की

रांची, 21 मार्च। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-2025 के अंतिम चरण के तीसरे दिन शुक्रवार को मध्य प्रदेश, हरियाणा और मिजोरम ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये पहले मैच में मध्य प्रदेश ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को पूल ए में 1-0 से हराया। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन अंततः स्नेहा पटेल ने (42वें) मिनट में गोलकर मध्यप्रदेश को बढ़त दिला दी। यह मैच का विजयी गोल साबित हुआ। यह मध्य प्रदेश की टूर्नामेंट में दूसरी जीत है और पूल स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। अगले मैच में हरियाणा ने हॉकी बंगाल को 2-0 से हराया। हॉकी हरियाणा के लिए सेजल ने (52वें) और सुप्रिया ने (59वें) मिनट में एक-एक गोल करके तीन मैचों में से अपनी तीसरी जीत हासिल की।

टी-20 लीग शुरू करने की तैयारी में सउदी अरब

4300 करोड़ का निवेश, पूरे साल 4 अलग-अलग देशों में हो सकते है मुकाबले

नई दिल्ली, 21 मार्च। गोल्फ, बॉक्सिंग, टेनिस, फॉर्मूला-1, में दिलचस्पी दिखाने के बाद सऊदी अरब ने अब क्रिकेट की ओर रुख किया है। नवंबर में राजधानी रियाद में का मेगा ऑक्शन हुआ था। इससे पहले, सऊदी ने में 5 बिलियन डॉलर (करीब 43 हजार करोड़) के निवेश का प्रस्ताव रखा था।

इसी क्रम में सऊदी अरब क्रिकेट की दुनिया में बड़ा कदम रखने की तैयारी कर रहा है। सऊदी अरब के पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड के तहत काम करने वाली एसआरजे स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स कंपनी द्वारा एक ग्लोबल टी20 लीग की योजना बनाई जा रही है। लीग में होगी आठ टीमें, चार अलग- अलग देशों में होगा टूर्नामेंट इस लीग को टेनिस ग्रैंड स्लैम की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

इसमें कुल आठ टीमें होंगी, जो सालभर में चार अलग-अलग देशों में टूर्नामेंट खेलेंगी। हर टूर्नामेंट 10 से 12 दिन तक चलेगा। इसका फाइनल सऊदी अरब में हो सकता है। दरअसल, हर साल चार टेनिस ग्रैंड स्लैम (ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विम्बलडन, यूएस ओपन) चार अलग-अलग देशों में होते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई लीग के तहत महिला और पुरुष दोनों के टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना है।

से भी की गई है चर्चा रिपोर्ट्स के अनुसार, एसआरजे के चीफ एग्जीक्यूटिव डैनी टाउनसेंड ने पिछले साल नीलामी के दौरान से इस लीग की योजना को लेकर संक्षेप में बातचीत की थी। इससे यह संकेत मिलता है कि सऊदी अरब क्रिकेट में उस तरह की उथल-पुथल वाली शुरुआत नहीं करना चाहता है, जैसा उसने गोल्फ में किया है। जहां उसने एलआईवी गोल्फ नामक एक समानांतर सर्किट बना लिया है, जिसे बागी कहा जा रहा है।

बोर्ड्स की राय: को मिल सकती है कड़ी टक्कर, इंग्लैंड-वेल्स क्रिकेट बोर्ड को भी है आपत्ति द्वारा इस लीग को समर्थन देने के लिए कोई खास वजह नहीं दिख रही,क्योंकि इससे को टक्कर मिल सकती है। अगर इस लीग का समर्थन नहीं करता,तो इसे बड़ा ब्रॉडकास्टिंग राइट्स हासिल करना मुश्किल होगा। इसके अलावा, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस लीग का विरोध किया है। उनका मानना है कि क्रिकेट पहले से ही बहुत व्यस्त है और इस लीग के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही, घरेलू द हंड्रेड टूर्नामेंट को भी बचाने की कोशिश कर रहा है।

भारत के कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की मेजबानी के लिए बिड किया

नई दिल्ली, 21 मार्च। भारत कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की मेजबानी कर सकता है। गेम्स का आयोजन गुजरात में होगा। इसके लिए भारत ने बिड किया है। ने केंद्रीय खेल मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मेजबानी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट समिट करने की आखिरी तारीख 31 मार्च है। इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन ने कुछ दिन पहले ही लेटर भेजा है। सूत्र ने न्यूज एजेंसी से कहा- यह सच है। भारत की ओर से और गुजरात सरकार ने बिडिंग की है। अगर भारत को मेजबानी मिलती है, तो इंडिया में दूसरी बार इन गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2010 के की मेजबानी की थी, तब नई दिल्ली में मुकाबले आयोजित हुए थे। पिछले साल 2036 ओलिंपिक के लिए दावेदारी की थी के अलावा, भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पिछले साल नवंबर में भारत ने ओलिंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी।

18वीं सीनियर राज्य स्तरीय (पुरुष/महिला) वुशू प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 21 मार्च। राजस्थान वुशु संघ एवं अजमेर वुशु संघ के आज़मीन में दिनांक 21 से 23 मार्च 2025 तक वैष्णव धर्मशाला, पुष्पक, में चल रही 18वी वरिष्ठ राज्य प्रतिष्ठा (पुरुष/महिला) वुशु प्रतियोगिता का आज शुभारम्भ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि चंपालाल महाराज राजगढ़, मेरू धाम रहे व कार्यक्रम के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने की तथा समारोह के विशिष्ट अतिथि विजय सिंह शेखावत, उपाध्यक्ष, राजस्थान वुशु संघ, राजेश कुमार टेलर, कोच भारतीय वुशु टीम, कमल पाठक, नगर परिषद के प्रार्थना स्वामी, वैष्णव, पूर्व स्वामी और भुवनेश पाठक, मंडल अध्यक्ष। आयोजन सचिव विनय मेहरा ने समारोह के सभी अतिथियों का स्वागत किया। चंपालाल महाराज ने खिलाड़ियों को खेल से जीवन में नई पीढ़ी को प्राप्त करने का सुनहरा अवसर बताया। हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशु संघ ने बताया कि प्रतियोगिता प्रदेश के 23 जिलों के पुरुष वर्ग में 176 एवं महिला वर्ग में 62 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के प्रथम दिन के डायनामिक मुकाबलों के परिणाम इस प्रकार हैं:-

52 पुरुष वर्ग

1. अमन पारीक (जयपुर) ने आर्यन सोगर (टोंक) को 2-0 से हराया।
2. रिशांत (सीकर) ने धीरज (नागौर) को 2-1 से हराया।
3. जिज्ञासु (श्रीगंगानगर) ने मुकेश कुमार (जालौर) को 2-0 से हराया।

60 वर्ग (पुरूष वर्ग)

4. प्रदीप (झुंझुनू) ने अजय बाल (श्रीगंगानगर) को 2-0 से हराया।
5. गौरव मावर (टोंक) ने कैलाशचंद्र (जालौर) को 2-0 से हराया।
6. कपिल (जोधपुर) ने संदीप (हनुमानगढ़) को 2-1 से हराया।
7. महोत्सव (अजमेर) ने अभिषेक शर्मा (पाली) को 2-0 से हराया।

65 वर्ग (पुरूष वर्ग)

8. सचिन गुर्जर (कोटा) ने अंकित बैरवा (दौसा) को 2-0 से हराया।
9. विशाल माली (उदयपुर) ने विनोद (पाली) को 2-1 से हराया।
10. फूलचंद (नागौर) ने रोहित कुमार (सीकर) को 2-0 से हराया।
11. राहुल सिंह (भरतपुर) ने भगतराम (भीलवा) को 2-0 से हराया।

70 वर्ग (पुरूष वर्ग)

1. युराज सिंह (झुंझुन) ने आरूष (श्रीगंगानगर) को 2-0 से हराया।
2. गुरमीत सिंह (अलवर) ने दीपक शर्मा (टोंक) को 2-0 से हराया।
3. दिलकुश चौधरी (अजमेर) ने देवेन्द्र सिंह (भीलवा) को 2-1 से हराया।
4. प्रिंस (जोधपुर) ने गुरजोत (हनुमानगढ़) को 2-1 से हराया।

हसन नवाज का नाबाद शतक, पाक ने न्यूज़ीलैंड को नौ विकेट से हराया

ऑकलैंड, 21 मार्च। हसन नवाज (नाबाद 105) की शतकीय और कप्तान आगा सलमान (नाबाद 51) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने शुक्रवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में न्यूज़ीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया है। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान के लिए मोहम्मद हारिस और हसन नवाज की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। छठें ओवर में जेकब डफी ने मोहम्मद हारिस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मोहम्मद हारिस 20 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (41) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सलमान ने हसन नवाज के साथ ना केवल पारी को संभाला दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन भी बटोरे। पाकिस्तान ने 16 ओवर में एक विकेट पर 207 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। हसन नवाज ने 45 गेंदों में 10 चौके और सात छक्के लगाते हुए (नाबाद 105) रनों की पारी खेली। कप्तान आगा सलमान 31 गेदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (51) रन पर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से जेकब डफी एकमात्र सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने मोहम्मद हारिस को आउट किया।

आईपीएल के शाम के मैचों में दूसरी पारी में 11वें ओवर के बाद गेंद बदलने की अनुमति

मुम्बई, 21 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शाम के मैच में ओस के प्रभाव से निटपने के लिए दूसरी पारी के 11वें ओवर के बाद गेंद को बदलने की अनुमति होगी। शनिवार से शुरु हो रहे आईपीएल से पहले यह फैसला गुरुवार को सभी 10 फ्रैंचाइजी के कप्तानों के साथ हुई बैठक में लिया गया। गेंद के अतिरिक्त बदलाव के लिए किए जाने वाले अनुरोध पर मैदानी अंपायर कोई भी फैसला अपने विवेक के आधार पर लेंगे।

यह प्रावधान केवल शाम के मैचों के लिए किया गया है, दोपहर के मैचों के लिए नहीं। यदि गेंदबाजी टीम दूसरी पारी में 11वें ओवर के बाद गेंद नहीं बदलना चाहेगी तब ऐसी स्थिति में नई गेंद का उपयोग नहीं किया जाएगा। अब से पहले तक गेंद को बदले जाने का फैसला लेने का अधिकार अंपायरों के पास ही हुआ करता था। अंपायर इस संबंध में निर्णय ऐसी स्थिति में लिया करते थे जब उन्हें लगता था कि गेंद ओस की वजह से बेहद गीली हो गई है।

11वें ओवर के बाद बदली जाने वाली गेंद में उतनी ही घिसावट होगी जितनी पुरानी गेंद में होगी। अहम बात यह है कि यह गेंद अंपायर चुनेंगे और गेंदबाजी टीम इस संबंध में आपत्ति दर्ज नहीं करा पाएगी। गेंदबाजी टीम के लिए इसमें संभावित नुकसान यह हो सकता है कि अगर बदली गई गेंद पुरानी गेंद की तुलना में अधिक सख्त हुई तो रन बनाना आसान हो जाएगा।

आईपीएल में धीमी ओवर गति पर कप्तान नहीं होंगे निलंबित

मुम्बई, 21 मार्च। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए कप्तान के तीन बार धीमी ओवर गति का दोषी पाए जाने के बाद एक मैच के निलंबन के नियम को समाप्त कर दिया है। आज यहां बीसीसीआई के मुख्यालय पर आईपीएल की सभी 10 टीमों के कप्तानों की बैठक हुई। बैठक में आगामी आईपीएल सत्र के धीमी ओवर गति के नियम में बदलाव किया गया है। इस बदलाव के तहत अब कप्तान को एक मैच से निलंबित नहीं किया जायेगा। नये नियम के तहत अब इन दोषों के परिणामस्वरूप केवल जुर्माना और मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण पर प्रतिबंध लगेगा।

जयपुर सीजन 2025 आरपीसी पोलो कप

कृष्णा पोलो ने एसएमएस पोलो अकादमी को 7-4.5 से हराया

जयपुर, 21 मार्च। जयपुर सीज़न 2025, आरपीसी कप, टूर्नामेंट में शुक्रवार को कृष्णा पोलो बनाम एसएमएस पोलो अकादमी के बीच शाम 4 बजे रामबाग पोलो ग्राउंड खेला गया, जिसमें कृष्णा पोलो ने एसएमएस पोलो अकादमी को 7-4.5 के स्कोर से हराया। कृष्णा पोलो की ओर से रांशेय पुरोहित ने 2, वंदित गोला ने 1, या अश्विनी शर्मा ने 4 गोल किये, जबकि दूसरे गोल का एडवांटेज लेकर खेल रही एसएमएस पोलो अकादमी की ओर से मृध्वज सिंह और एलन माइकल ने 2-2 गोल किये।

राजस्थान यूथ को हरा जयपुरिया अकादमी बनी चैम्पियन

जयपुर, 21 मार्च। राजस्थान कोल्ट्स क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 11वीं शमशेर सिंह स्मृति महिला टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए फाइनल मैच में जयपुरिया अकादमी ने राजस्थान यूथ को 12 रन से बैटहा चैंपियनशिप चैंपियनशिप खेली। एल. राजस्थान यूथ के लिए तानिका शर्मा ने 21 पर 3, निशा ने 16 पर 2, माधवी और फ़ौरा गुर्जर ने 1-1 विकेट लिया। जवाबी पारी में राजस्थान यूथ की टीम कृतिका गुलाब के 48 रन, माधवी के 14 रन और असुनिया के 15 रन, गौरवानी खंगारोत के 10 बल्लेबाज़ से 20 ओवर में 7 विकेट पर 112 रन बने। जयपुरिया अकादमी के लिए रुतबा चौधरी ने 12 पर 1, अभिषेक योगी ने 16 पर 1, कनक शर्मा ने 11 पर 1, याना गुप्ता ने 30 पर 2 विकेट लिये। मैच के बाद मुख्य अतिथि पूर्व आरसीए सचिव सुभाष जोशी ने ट्रॉफी के लिए विजेताओं और उपविजेता टीमों की पेशकश की। इस अवसर पर पूर्व आर्कियोलॉजी उपाध्यक्ष मोहम्मद धाकड़, आरसी ए एडहॉक समिति के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत, हरीश चंद्र सिंह, आनंद सिंह टेलर, ओपी शर्मा, महेश सानिया, राजस्थान कॉल्ट्स के सचिव प्रियचंद सिंह, प्रतियोगिता के कन्नरवी ओम शर्मा, रेस्टॉरेंट सहित कई खिलाड़ी उपस्थित रहे।

फैनकोड शॉप राजस्थान रॉयल्स के लिए आधिकारिक जर्सी निर्माण भागीदारी

हमारे प्रशंसक राजस्थान रॉयल्स की धड़कन हैं : जेक लश मैक्रम

जयपुर, 21 मार्च। राजस्थान रॉयल्स और फैनकोड ने आईपीएल 2025 से पहले एक्सक्लूसिव डिजिटल कंटेंट ज़ोन और आधिकारिक मर्चेंडाइज़ के ज़रिए प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए साझेदारी का विस्तार किया। फैनकोड शॉप राजस्थान रॉयल्स के लिए आधिकारिक जर्सी निर्माण भागीदार होगी। रॉयल्स कॉर्नर अब फैनकोड पर - प्रशंसक अभ्यास सत्रों, प्रशिक्षण वीडियो, पॉडकास्ट, साक्षात्कार, खिलाड़ी प्रोफाइल और बहुत कुछ के लिए पर्दे के पीछे की विशेष पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। 20 मार्च 2025, मुंबई - फैनकोड और राजस्थान रॉयल्स ने आगामी आईपीएल सीज़न से पहले अपनी साझेदारी का विस्तार किया है, विशेष सामग्री और आधिकारिक मर्चेंडाइज़ के माध्यम से प्रशंसकों की सहभागिता को बढ़ाया है।

यह सहयोग प्रशंसकों को उनकी पसंदीदा टीम और खिलाड़ियों तक बेहतर पहुँच प्रदान करेगा, पर्दे के पीछे की सामग्री और राजस्थान रॉयल्स के सामान की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करेगा। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, फैनकोड शॉप - आधिकारिक और सस्ती खेल सामग्री के लिए भारत का प्रमुख गंतव्य - राजस्थान रॉयल्स के लिए आधिकारिक जर्सी निर्माण भागीदार के रूप में काम करेगा। फैनकोड शॉप टीम के आधिकारिक सामान के डिजाइनिंग, निर्माण, विपणन और वितरण सहित एंड-टू-एंड संचालन की देखरेख करेगी। इस संग्रह में आधिकारिक जर्सी, सहायक उपकरण और पोलो, टी-शर्ट, जॉगर्स और शॉर्ट्स सहित प्रशंसक परिधानों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी। विशेष रूप से अनुकूलित जर्सी, जिस पर प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ी के नाम या अपना खुद का नाम छपवा सकते हैं, भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य प्रशंसकों को उच्च गुणवत्ता वाले, किफायती सामान उपलब्ध कराना है जो रॉयल्स की जीवंत पहचान को दर्शाता है। ऑफ़लाइन पहुँच को बढ़ाने के लिए, जयपुर के मॉल में एक विशेष फैनकोड शॉप कियोस्क स्थापित किया जाएगा, जहाँ एक समर्पित रॉयल्स कॉर्नर प्रशंसकों को व्यक्तिगत रूप से आधिकारिक टीम के सामान को देखने और खरीदने की अनुमति देगा। गुवाहाटी और जयपुर में स्टेडियम में बिक्री, जहाँ राजस्थान रॉयल्स अपने घरेलू मैच खेलते हैं, फैनकोड शॉप द्वारा भी सुविधा प्रदान की जाएगी।

कंटेंट के मामले में, फैनकोड एक विशेष रॉयल्स कॉर्नर पेश करेगा, जिसमें अभ्यास सत्र और प्रशिक्षण वीडियो, पॉडकास्ट, विशेष साक्षात्कार, खिलाड़ी प्रोफाइल और अन्य गैर-लाइव कंटेंट सहित पर्दे के पीछे की सामग्री पेश की जाएगी। यह डिजिटल हब प्रशंसकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों तक बेजोड़ पहुंच प्रदान करेगा, जिससे मैचों से परे टीम के साथ उनका जुड़ाव और गहरा होगा। फैनकोड के सह-संस्थापक यानिक कोलाको ने कहा, "हम राजस्थान रॉयल्स के साथ एक विशेष संबंध साझा करते हैं और कई टचपॉइंट्स पर प्रशंसकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इस विस्तारित साझेदारी के साथ, हम प्रशंसकों द्वारा अपनी पसंदीदा टीम को प्रोत्साहित करने के तरीके के लिए एक नया मानदंड स्थापित कर रहे हैं - चाहे वह प्रामाणिक माल के माध्यम से हो या विशेष सामग्री के माध्यम से। फैनकोड इस आईपीएल सीज़न में रॉयल्स के प्रशंसकों के लिए अंतिम गंतव्य है।"

राजस्थान रॉयल्स के सीईओ जेक लश मैक्रम ने कहा, "हमारे प्रशंसक राजस्थान रॉयल्स की धड़कन हैं और हम उन्हें टीम के करीब लाने के लिए हमेशा नए तरीके खोजते रहते हैं। फैनकोड के साथ साझेदारी करने से हमें ऐसा करने में मदद मिलती है, प्रशंसकों को जुड़ने के और तरीके मिलते हैं, चाहे वह एक्सक्लूसिव कंटेंट के ज़रिए हो, पर्दे के पीछे की पहुँच के ज़रिए हो या आधिकारिक रॉयल्स मर्चेंडाइज़ के ज़रिए। हम चाहते हैं कि हर प्रशंसक रॉयल्स परिवार का हिस्सा महसूस करे, चाहे वे कहीं भी हों और यह सहयोग उस संबंध को पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत बनाने की दिशा में एक और कदम है।"

फैनकोड शॉप 2022 से राजस्थान रॉयल्स से जुड़ी हुई है और इससे पहले टीम के मेगा स्टोर को लॉन्च किया था, जो प्रशंसकों को एक सहज खुदरा अनुभव प्रदान करता है। चुनिंदा आईपीएल टीमों के अलावा, फैनकोड शॉप बार्सिलोना, रियल मैड्रिड, जुवेंटस, मैनचेस्टर सिटी और पीएसजी, चुनिंदा एनबीए और एफ1 टीमों, आईसीसी टूर्नामेंट और अन्य सहित शीर्ष यूरोपीय फुटबॉल क्लबों से आधिकारिक मर्चेंडाइज़ प्रदान करती है।

फैनकोड भारत का प्रमुख खेल गंतव्य है जो प्रशंसकों को विभिन्न प्रकार के खेलों के लिए सामग्री और मर्चेंडाइज में अत्यधिक व्यक्तिगत अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। मार्च 2019 में खेल उद्योग के दिग्गजों यानिक कोलाको और प्रसन्ना कृष्णन द्वारा स्थापित, फैनकोड के 160 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं। इसने कई खेलों में घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय खेल लीग और संघों के साथ भागीदारी की है। सामग्री में, फैनकोड मैच, बंडल और टूर पास के साथ उद्योग-प्रथम सदस्यता प्रारूपों में इंटरैक्टिव लाइव स्ट्रीमिंग प्रदान करता है, साथ ही सस्ती कीमतों पर मासिक और वार्षिक सदस्यता भी देता है। फैनकोड शॉप के माध्यम से, यह प्रशंसकों को दुनिया भर की खेल टीमों, ब्रांडों और लीगों के लिए खेल मर्चेंडाइज की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदान करता है।

मु.मंत्री भजनलाल ने देश की पहली ''डिजी वन फॉरैस्ट स्टैक'' ऐप जारी की

विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश को हरा-भरा बनाने का संकल्प लेने का आव्हान किया

जयपुर, 21 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर, राज्य सरकार ने मिशन 'हरियालो राजस्थान' के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अंतर्गत, वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए गए तथा इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति एवं पहाड़ों की पूजा की जाती है तथा राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण से पुराना नाता रहा है। उन्होंने आव्हान किया कि हम वनों को बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ, ही आने वाली पीढ़ि यों के लिए एक हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का संकल्प लें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज़्म तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा का लोकार्पण किया।

- **मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत, राजस्थान में जो मिशन हरियाली राजस्थान शुरु किया गया है, उसके तहत 2024-25 में 7 करोड़ पौधे लगाए गए व इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।**
- **खां व उसकी पत्नी जैतून ने अपने तीन अन्य बेटों, अमजद, सद्दाम और असफाक के साथ मिलकर अपने ही एक और बेटे समीर को पीट-पीट कर मार डाला था, अदालत ने आरोपियों पर 2.81 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।**

शर्मा ने इस अवसर पर वन विभाग द्वारा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का शुभारम्भ किया, जो कि देशभर का पहला डिजिटल फोरेस्ट स्टैक है। साथ ही, उन्होंने सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरईएसईपी) के लोगो का अनावरण तथा वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान का डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वनमित्रों को किट वितरित किए तथा वन विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने पौधरोपण किया तथा गोल्फ कार्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पौधरोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा के लिए मॉनिटरिंग की भी अनूठी व्यवस्था की गई है। जापान इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी (जाइका) के एजि वाकामास्तु ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

आर.एस.एस., दक्षिण भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करना चाहिये। आपसे में लड़ना-झगड़ना देश के लिये अच्छा नहीं है।''

प्रसंगवश बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह ने भी दक्षिणी राज्यों को ''ऑन रिकॉर्ड'' आश्वासन दिया है कि ''परिसीमन के बाद इन राज्यों की एक भी सीट कम नहीं होगी।'' यह पहला अवसर नहीं है, जब आर.एस.एस. ने दक्षिणी राज्यों के साथ एकात्मता दिखाई है। जुलाई में, आर.एस.एस. के मुख पत्र ''ऑर्गनाइजर'' ने एक संपादकीय में कहा था: ''क्षेत्रीय असंतुलन एक अन्य संकटपूर्ण बिंदु है, जो परिसीमन प्रक्रिया को प्रभावित करेगा। पश्चिमी और दक्षिणी राज्य जनसंख्या नियंत्रण के उपायों के मामले में अपेक्षाकृत बेहतर काम कर रहे हैं तथा इसलिये इन राज्यों को कुछ संसदीय सीटें खाने का डर है।'' अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने 2018 में ''भारतीय'' भाषाओं के संरक्षण एवं प्रोत्साहन की जरूरत को रेखांकित करते हुये एक प्रस्ताव पारित किया था तथा कहा था कि प्राथमिक शिक्षा केवल मातृभाषा या किसी अन्य भारतीय भाषा में ही होनी चाहिये।

'हमारे खिलाफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री भी रह चुके हैं, ने बुधवार को विधानसभा में इस मुद्दे का जिक्र किया था तथा उन्होंने ये प्रश्न भी किया था। ''क्या इसका यह अर्थ निकाला जाये कि कोई व्यक्ति अपने प्रतिद्वंदियों/विरोधियों को वश में रखने के लिये (हनी ट्रैपिंग की) किसी भी सीमा तक जा सकता है?'' उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हनी ट्रैप फैक्ट्री चलाने का आरोप लगाया था।

गुरुवार को यह मुद्दा जोर पकड़ गया तथा आम जनता में चर्चा का विषय बन गया। पत्रकारों से बात करते हुये, राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री ने इस घटना की निंदा की तथा कहा कि राजनीति को ऐसी चालबाजियों में लिप्त नहीं होना चाहिये। उन्होंने हनी ट्रैपिंग के खिलाफ निष्पक्ष लड़ाई की जरुरत बताई, क्योंकि सभी पार्टियों के नेतागण इसके शिकार बन चुके हैं।

एसआई भर्ती...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में अपने परिचित के मार्फत स्वयं के स्थान पर अन्य व्यक्ति को डमी कैंडिडेट से परीक्षा दिलवाकर लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करना स्वीकार किया है। जिसके फलस्वरूप रामखिलाडी मीणा का मैरिट क्रमांक 1105 पर उपनिरीक्षक के पद पर चयन हुआ था। रामखिलाडी को शनिवार को कोर्ट में पेश जाएगा। इस मामले में अब तक 49 प्रशिक्षु एसआई एवं 6 चयनित एसआई गिरफ्तार हो चुके हैं।

सौरभ भारद्वाज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और दुर्गेश पाठक को सह प्रभारी बनाया गया है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है।

गोवा के लिए तीन सह प्रभारी बनाये गए हैं जिनमें सर्वदीपक सिंगला, अंकुश नारंग और आभाष चंदेला शामिल हैं। पार्टी के संगठन महासचिव संदीप पाठक को छत्तीसगढ़ प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मेहराज मलिक को जम्मू-कश्मीर का अध्यक्ष बनाया गया है।

महाराष्ट्र सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ दिन पहले आगरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि जिले में जिस जगह पर छत्रपति शिवाजी महाराज को नज़र बंद किया गया था, वहां छत्रपति शिवाजी महाराज का एक भव्य स्मारक बनना चाहिए।

सोनिया गांधी ने प्रणब बाबू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लंबी लिस्ट घोषित की गई हैं। रिक्त पदों को भरा गया है तथा वर्तमान नामों में परिवर्तन किए गए हैं। इसके साथ-साथ, पश्चिम बंगाल कांग्रेस की एक मीटिंग में राहुल गाँधी ने स्पष्ट किया कि पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए और ममता बनर्जी के साथ गठबंधन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरुप आम आदमी पार्टी की विधानसभा चुनावों में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व लालू यादव से नज़दीकी संबंध थे, को पद से हटा दिया गया है तथा एक ने दलित नेता को पी.सी.सी. अध्यक्ष को नियुक्त किया गया है। इसके साथ-साथ कन्हैया कुमार को प्रमुख रुप से आगे बढ़ाया गया है, जो आर.जे.डी. को स्वीकार नहीं है।

बिहार में कांग्रेस का आर.जे.डी. के साथ लंबा गठबंधन रहा है। यह स्पष्ट है कि राहुल पार्टी का पुनर्निर्माण करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन, समस्या यह है कि कांग्रेस के नेता हर हाल में सत्ता चाहते हैं। राहुल की यह रणनीति दीघकालिक तरीका हो सकता है।

- **पर, समस्या यह है कि कांग्रेस के पुराने नेता व कार्यकर्ता सत्ता का मोह नहीं त्याग पा रहे और राहुल गांधी की रणनीति पूरी तरह से लागू हो, उससे पहले संभवतया कांग्रेस के कई नेताओं का अन्यत्र पलायन होगा।**

लेकिन, प्रश्न यह भी है कि क्या वो इस तरीके को कायम रख पाएंगे, क्योंकि, इसके परिणामस्वरुप कई लोग कांग्रेस को छोड़ सकते हैं।

बेटे के हत्यारे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सत्येन्द्र सिंह ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर मृतक के चाचा सलीम खान ने 19 अक्टूबर, 2022 को वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उनका और नवाब खान के बीच संपत्तियों को लेकर विवाद चल रहे हैं। एक दिन पहले वह अपने जीजा के साथ किसी काम से अजमेर गया था। इस दौरान अभियुक्तों ने एक राय होकर समीर की पत्नी से मारपीट की और मकान खाली नहीं करने पर समीर को जान से मारने की धमकी दी। वहीं बाद में जब समीर घर पहुंचा तो सभी अभियुक्तों ने उसे डंडों से पीटा और उसका सिर फोड़ दिया। वहीं बीच बचाव करने आए परिजनों से भी मारपीट की। इसके बाद 19 अक्टूबर की सुबह अभियुक्त समीर की पत्नी से मारपीट करने लगे। जब समीर और परिजनों ने बीच बचाव किया तो अभियुक्तों ने समीर पर छुरी और डंडे से हमला कर दिया। इस दौरान समीर और अन्य घायलों को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। जहां समीर की मौत हो गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान समीर की विधवा ने अदालत को बताया कि उसके दादा ससुर के नाम संपत्ति को लेकर परिवार में रोजाना झगड़ा होता था। घटना के दिन भी अभियुक्तों ने मारपीट की और छुरी से समीर की हत्या कर दी थी।

ट्रम्प ने अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देशों का रुख कर सकती हैं। इस कदम से अमेरिकन शिक्षा प्रणाली कमजोर होती है या ताकतवर बनती है पर एक बात तय है कि यह एक भारी बदलाव की शुरुआत है।

हालांकि ये बदलाव अन्य देशों के छात्रों के लिए अमेरिका में पढ़ाई करने के सपने का अंत नहीं बताते हैं। अमेरिका लंबे समय तक दुनियाभर के छात्रों के लिए शिक्षा के पहले नम्बर पर रहा है क्योंकि यहां पर विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय हैं, रिसर्च पर फोकस है और करियर के शानदार अवसर हैं। लेकिन यदि शिक्षा विभाग को खत्म करने से फंडिंग, शिक्षा ऋण और संघीय निगरानी में अस्थिरता आती है तो अमेरिका का आकर्षण कम हो सकता है।

यदि यही स्थिति जारी रही तो अमेरिका अपना अव्वल दर्जा खो सकता है। हालांकि अमेरिका में पढ़ने का सपना रातों रात तो मर नहीं सकता पर इसका आकर्षण अवश्य कम हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा को नोटिस दिया

नई दिल्ली, 21 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने एक वरिष्ठ अधिवक्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि शीर्ष अदालत की ओर से उन्हें दी गई पदवी क्यों न रद्द कर दी जाए। यह अभूतपूर्व निर्णय वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा के खिलाफ कदाचार के आरोपों के मद्देनजर लिया गया है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से बुलाई गई पूर्ण अदालत, जिसमें प्रशासनिक पक्ष के सभी सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश शामिल थे, ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी को मल्होत्रा के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की थी। उन पर शीर्ष अदालत की चेतावनियों के बावजूद भ्रामक बयान देने के अलावा कैदियों की समयपूर्व रिहाई के कई मामलों में महत्वपूर्ण तथ्यों को दबाने का आरोप है। पूर्ण न्यायालय, जिसने अपने महासचिव भरत पराशर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए अधिकृत किया, ने कहा कि मल्होत्रा को वरिष्ठ पदनाम से हटाए जाने से पहले अपने आचरण को स्पष्ट करने के लिए एक और अवसर दिया जाना चाहिए।20 फरवरी के अपने फैसले में न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक हालिया मामले में उनके आचरण की आलोचना की थी और उन पर यह खुलासा न करने का आरोप लगाया था कि शीर्ष अदालत ने दोषी की सजा में छूट पर 30 साल की रोक लगा दी है। इसी प्रकार, न्यायालय ने पाया कि मल्होत्रा ने अन्य अवसरों पर भी सर्वोच्च न्यायालय को गुमराह किया है।

- **चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के नेतृत्व में पहली बार फुल बैंच ने किसी वरिष्ठ अधिवक्ता को नोटिस दिया है।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908